खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-220

परिसीमन पर बढ़ी राजनीतिक हलचल

विपक्षी एकजुटता की परीक्षा

शरद पवार के बाद एम.के. स्टालिन भी मोदी के साथ? परिसीमन पर नए राजनीतिक समीकरण की आहट। शरद पवार गुट की प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद बढ़ी अटकलें, दक्षिण के राज्यों की चिंताओं के बीच केंद्र की रणनीति पर निगाहें।

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के अंतिम दौर में परिसीमन का मुद्दा एक बार फिर देश की राजनीति के केंद्र में आ गया है। शरद पवार गुट के सांसदों का सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलना भले ही महाराष्ट्र के सूखे, सिंचाई और क्षेत्रीय मांगों से जुड़ी मुलाकात बताया गया हो, लेकिन इसके राजनीतिक मायने तलाशे जाने लगे हैं।

बैठक के बाद परिसीमन विधेयक पर प्रत्यक्ष चर्चा से इनकार किया गया, लेकिन शरद पवार गुट के रुख को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। पहले भी संकेत मिलते रहे हैं कि यदि विधेयक का अंतिम स्वरूप उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप रहा और सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि जैसी शर्तें शामिल की गईं तो पवार गुट सरकार के प्रस्ताव का समर्थन कर सकता है।

परिसीमन बना मोदी सरकार की बड़ी राजनीतिक रणनीति

यहीं से केंद्र सरकार की रणनीति का बड़ा राजनीतिक पक्ष सामने आता है। सरकार के लिए परिसीमन केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि भविष्य में चुनावी प्रतिनिधित्व के ढांचे को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण संवैधानिक सवाल है।

ऐसे में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में संशोधन से जुड़े विधेयक को लेकर नरमी और परिसीमन पर व्यापक सहमति बनाने की कोशिशों को अलग-अलग घटनाओं के बजाय एक बड़े राजनीतिक समीकरण के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम विधेयक के मौजूदा स्वरूप का विरोध करने वाले दलों में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। दूसरी ओर, दोनों दलों को परिसीमन के मुद्दे पर संभावित संवाद-साझेदार के रूप में देखा जा रहा है।

विदेशी अंशदान विधेयक को एजेंडे से बाहर रखने पर भी चर्चा

मोदी सरकार द्वारा विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम संशोधन विधेयक को आज के लोकसभा एजेंडे में शामिल नहीं किए जाने से इस रणनीतिक गणित को और हवा मिली है।

रिपोर्टों में संभावना जताई गई है कि सरकार विवादित प्रावधानों को लेकर तत्काल टकराव से बचते हुए उन दलों के साथ राजनीतिक संवाद की गुंजाइश बनाए रखना चाहती है, जिनकी जरूरत परिसीमन जैसे बड़े संवैधानिक मुद्दे पर पड़ सकती है। हालांकि इसका एक दूसरा कारण भी हो सकता है और सरकार विधेयक पर विस्तृत बहस चाहती हो। इसलिए इसे फिलहाल किसी पक्के राजनीतिक समझौते का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी।

द्रमुक पर टिकी निगाहें, दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व का सवाल

सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का है। तमिलनाडु में परिसीमन को लेकर द्रमुक लगातार दक्षिणी राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता जताती रही है।

पार्टी सांसद कनिमोझी ने हाल में स्पष्ट किया कि द्रमुक अपने पुराने रुख पर कायम है। पार्टी तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व की रक्षा और निष्पक्ष परिसीमन की मांग से पीछे नहीं हटी है।

द्रमुक ने यह भी कहा है कि केंद्र सरकार ने मौजूदा सत्र में परिसीमन विधेयक लाने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है और संशोधित मसौदा भी उसके सामने नहीं आया है।

इसलिए फिलहाल यह कहना सही नहीं होगा कि एम.के. स्टालिन सरकार के साथ आ गए हैं। लेकिन राजनीति में दरवाजे बंद होने और बातचीत की गुंजाइश बने रहने के बीच बड़ा फर्क होता है। परिसीमन का मुद्दा दक्षिण बनाम उत्तर की राजनीति से जुड़ा होने के कारण द्रमुक का रुख निर्णायक महत्व रख सकता है। यदि केंद्र सरकार तमिलनाडु और अन्य दक्षिणी राज्यों की आशंकाओं का समाधान करने वाला ऐसा फार्मूला तैयार करती है, जिसमें राजनीतिक प्रतिनिधित्व का संतुलन बना रहे, तो मौजूदा विरोध में दरार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

शरद पवार के मामले में भी राजनीतिक तस्वीर को सावधानी से पढ़ना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद राजनीतिक अटकलें जरूर तेज हुई हैं, लेकिन सुप्रिया सुले स्पष्ट कर चुकी हैं कि विधेयक सामने आने के बाद ही उनकी पार्टी अपना रुख तय करेगी।

यानी पवार खेमे का समर्थन अभी तय नहीं, बल्कि संभावित समर्थन की राजनीतिक संभावना है।

भाजपा के लिए यह घटनाक्रम विपक्षी एकजुटता की परीक्षा जरूर है। राहुल गांधी और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच परिसीमन समेत संसद में जारी गतिरोध पर हुई बातचीत को सरकार की ओर से 'अच्छी' बातचीत बताया गया है। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवाद के रास्ते बंद नहीं हुए हैं।

उधर, हंगामे के कारण आज भी संसद के दोनों सदनों का कामकाज प्रभावित हुआ। हालांकि सत्र के अंतिम दिनों में परिसीमन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ती दिखाई दे रही हैं।

▶8 पर

कोलंबिया में शक्तिशाली भूकंप से भारी तबाही

80 की मौत, इमरजेंसी का ऐलान

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कोलंबिया में सोमवार, 10 अगस्त को 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप में कम से कम 80 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग मलबे में दबे हुए हैं। इसके बाद सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल का ऐलान कर दिया है। भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गईं और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की सूचना है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप 12:34 यूटीसी यानी स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 7:34 बजे आया। इसका केंद्र कोलंबिया के चोको विभाग में सैन जोस डेल पालमार से करीब पांच किलोमीटर पूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन के करीब 107 किलोमीटर नीचे बताया गया है। पेरेरा के मेयर ने बताया कि भूकंप में शहर में 18 लोगों की मौत हुई है। वहीं, मनिजालेस के मेयर ने बीएलयू रेडियो को बताया कि शहर में दो लोगों की मौत हुई है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की। भूकंप के तेज झटके कोलंबिया के कई हिस्सों में महसूस किए गए। पड़ोसी देश वेनेजुएला में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

कैली में 20 इमारतें ढहीं, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

भूकंप के बाद नुकसान की तस्वीर धीरे-धीरे सामने आने लगी। कैली के मेयर अलेजांद्रो एदेर ने बताया कि शहर में कम से कम 20 इमारतें ढह गई हैं और कुछ इमारतों में लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि राहत और बचाव दल मौके पर काम कर रहे हैं। साथ ही बोगोटा और मेडेलिन के मेयरों से अतिरिक्त बचाव दल भेजने का अनुरोध किया गया है।

मेयर ने लोगों से शांत रहने और अपने आसपास की इमारतों में किसी तरह के नुकसान की जांच करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं या इमारत में बड़ी दरारें दिखाई दे रही हैं तो तत्काल बाहर निकल जाएं। चोको की गवर्नर नूबिया कैरोलिना कोरदोबा-कुरी ने कहा कि भूकंप से क्विब्दो में इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है और कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने संभावित भूकंप के बाद आने वाले झटकों को लेकर भी चिंता जताई है।

▶8 पर

सीईओ : 18 उम्मीदवारों तक पहुंची दौड़

ट्रस्ट करेगा अंतिम फैसला

अयोध्या, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर की व्यवस्था और संचालन के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, सीईओ पद के लिए चयनित 18 आवेदकों का अंतिम साक्षात्कार 11 और 12 अगस्त को होने की संभावना है। सभी चयनित आवेदक साक्षात्कार के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र भवन पहुंचेंगे। सूत्रों के अनुसार, साक्षात्कार राम मंदिर परिसर स्थित पीएफसी में आयोजित किया जाएगा।

सीईओ पद के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रमोद कोहली की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय चयन समिति गठित की गई है। यही समिति अंतिम चरण में शामिल 18 उम्मीदवारों का साक्षात्कार करेगी।

राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद की भर्ती के लिए देशभर से बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे। कुल 5200 लोगों ने इस पद के लिए आवेदन किया था। इसके बाद चयन प्रक्रिया के तहत तीन सदस्यीय समिति ने आवेदनों की प्रारंभिक समीक्षा की और पहले चरण में 54 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया। प्रारंभिक साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 18 उम्मीदवारों को अंतिम

▶8 पर

झारखंड : छात्रों पर लाठीचार्ज, कई घायल

देवेंद्रनाथ महतो अस्पताल में भर्ती

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र सोमवार को बैरिकेडिंग तोड़कर विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें विधानसभा गेट से हटाने की कोशिश की, लेकिन जब प्रदर्शनकारी नहीं हटे तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ दिया। इस दौरान कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की स्थिति बनी। पुलिस को दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आईं। वहीं, प्रदर्शनकारियों की ओर से भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंके जाने की जानकारी सामने आई है।

वाटर कैनन के बाद आंसू गैस के गोले दागे

आंदोलनकारी छात्र सुबह करीब 10 बजे पुरानी विधानसभा के पास एकत्र हुए और इसके बाद विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़े। पुलिस ने विधानसभा के आसपास कंटीले तारों वाली बैरिकेडिंग कर रखी थी।

पुलिस ने जैसे ही पानी की बौछारों वाली गाड़ियों का इस्तेमाल किया, कुछ छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी और नाचते नजर आए। कुछ छात्रों ने मौके पर राष्ट्रगान भी गाया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।विधानसभा परिसर और आसपास के इलाके में छह स्तर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पूरे क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के जरिए की जा रही है। धरनास्थल पर भूख हड़ताल कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो की तबीयत बिगड़ गई। पुलिस प्रशासन ने उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया है।

आंदोलनकारी छात्रों के मुताबिक, झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पिछले 17 दिनों से आंदोलन चल रहा है।

देवेंद्रनाथ महतो समेत छह छात्र भूख हड़ताल पर हैं। तबीयत खराब होने के बावजूद देवेंद्रनाथ महतो एंबुलेंस से विधानसभा घेराव में शामिल होने पहुंचे थे।

राहुल गांधी ने बल प्रयोग को बताया गलत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। उन्होंने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 23°

बाग़ी विधायकों की फिर जागी 'ममता'

घर वापसी की अटकलें तेज़

कोलकाता, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस से बगावत करने वाले सांसद-विधायकों की 'ममता' एक बार फिर जागती दिखाई दे रही है। कुछ ही दिन पहले तीन मुस्लिम सांसदों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) या भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से इनकार कर दिया था। अब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को छोड़कर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ शामिल हुए तीन विधायकों ने भी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर हुए कथित हमले के खिलाफ प्रदर्शन किया है। इसके बाद इन विधायकों की तृणमूल कांग्रेस में 'घर वापसी' की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इन विधायकों में बसीरहाट उत्तर के विधायक तौसीफ-उर-रहमान, मेतियाबुरुज के विधायक अब्दुल खालिक मोल्लाह और बारुईपुर पूर्व के विधायक बिभास सरदार शामिल हैं।

ममता पर हमले के बाद बदले समीकरण

यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कथित तौर पर हुए हमले के बाद सामने आया है। ममता बनर्जी एक तृणमूल कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने के लिए हलीशहर गई थीं। इस दौरान उन्हें प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। आरोप लगाया गया कि प्रदर्शनकारियों ने उनके वाहन पर पत्थर और कीचड़ फेंके। ममता बनर्जी पर कथित हमले के विरोध में 'कालीघाट तृणमूल कांग्रेस' के कार्यकर्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल में इन दिनों ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 'कालीघाट तृणमूल कांग्रेस' के नाम से भी संबोधित किया जा रहा है। इसी सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए तीन विधायक भी ममता बनर्जी के समर्थन में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

▶8 पर

परमाणु समझौते के बिना भी सौदे को तैयार

होर्मुज पर टिकी ट्रंप की रणनीति

वाशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निजी तौर पर ईरान के साथ जारी टकराव को बिना किसी परमाणु समझौते के खत्म करने का विचार रखा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

अखबार के मुताबिक, ट्रंप पिछले कई हफ्तों से ईरान के साथ युद्ध में जीत की घोषणा करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए शर्त यह बताई गई है कि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से फिर से खोल दे। ट्रंप ने अपने वरिष्ठ सलाहकारों से निजी बातचीत में यह भी कहा है कि वह बिना परमाणु समझौते के भी ईरान के साथ किसी समझौते के लिए तैयार हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने अखबार को बताया कि अमेरिका ने ईरान से जुड़े अपने सभी सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। अधिकारी के मुताबिक, अब ट्रंप का ध्यान होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए ऊर्जा की आवाजाही सुनिश्चित करने पर है।हालांकि, अगर ईरान जहाजों पर हमले जारी रखता है तो अमेरिका सैन्य बल के इस्तेमाल का विकल्प खुला रखेगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रंप ने अपने वरिष्ठ सलाहकारों से निजी तौर पर कहा है कि उनके कार्यकाल के दौरान ईरान के अपनी परमाणु गतिविधियां दोबारा शुरू करने की संभावना कम है। अधिकारियों का दावा है कि अमेरिका ने 2025 तक ईरान के तीन बड़े परमाणु केंद्रों को नष्ट कर दिया था।

▶8 पर

नेपाल में महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि पर पहुंचना आज भी टेढ़ी खीर

काठमांडू

भारत के बिहार के पश्चिम चंपारण के वाल्मीकि नगर से सटे नेपाल के चितवन जिला स्थित धार्मिक तीर्थस्थल वाल्मीकि आश्रम तक पहुंचना आज भी आसान नहीं है। इस क्षेत्रको महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि माना जाता है। रामायण में उल्लेख है कि इसी क्षेत्र में अग्निपरीक्षा के बाद सीता को वनवास भेज दिया गया था। यहीं लव और कुश का जन्म हुआ। उनका पालन-पोषण हुआ और उन्होंने महर्षि वाल्मीकि से शिक्षा-दीक्षा प्राप्त की।

रामायण में वर्णित कथा के अनुसार, अयोध्या से भगवान राम द्वारा अश्वमेध यज्ञ के दौरान छोड़े गए घोड़े को बाल्यावस्था में ही लव और कुश ने पकड़कर इसी स्थान पर रोक लिया था।

सन् 1964 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में आयोजित धर्म संसद में यह निर्णय लिया गया था कि जिस स्थान पर वाल्मीकि ने रामायण की रचना की तथा सीता को त्यागे जाने के बाद लव-कुश का जन्म हुआ, वह तमसा नदी के किनारे स्थित वाल्मीकि आश्रम नेपाल में ही है। भारत ने गंडक बैराज की डीपीआर में भी संशोधन कर वाल्मीकि आश्रम को नेपाल की सीमा के भीतर दर्शाया था।

भगवान राम से जुड़े होने के कारण हिंदू धर्मावलंबी वाल्मीकि आश्रम को एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल मानते हैं। यहां राम, सीता, वाल्मीकि, लव-कुश और हरिहर की मूर्तियों तथा प्रतिमाओं वाले मंदिर बनाए गए हैं। मुख्य मंदिर में स्थापित हरिहर की अष्टधातु की मूर्ति को विशेष महत्व दिया जाता है।

मंदिर के पुजारी रामशरण गिरी के अनुसार, राजा महेंद्र ने विक्रम संवत 2022 में वाल्मीकि आश्रम में खुदाई करवाते समय यह मूर्ति प्राप्त की थी। विक्रम संवत 2028 में तत्कालीन सरकार ने हरिहर की इसी मूर्ति की तस्वीर वाला डाक टिकट भी जारी किया था।

पुजारी गिरी के अनुसार, राजा महेंद्र ने ही यहां आकर्षक मंदिर का निर्माण करवाया, मूर्ति की स्थापना कराई और पुजारी की व्यवस्था के साथ कुछ परिवारों को यहां लाकर बसाया था। उन्होंने कहा, आज भी आश्रम परिसर में 14 परिवार रह रहे हैं। प्राचीन और धार्मिक धरोहर होने तथा यहां एक दर्जन से अधिक परिवारों के रहने के बावजूद इस आश्रम तक पहुंचना आसान नहीं है।

हालांकि वाल्मीकि आश्रम चितवन के माडी क्षेत्र में आता है, लेकिन यह पूर्वी नवलपरासी के त्रिवेणी से अधिक नजदीक है। त्रिवेणी में नारायणी नदी पार करने के बाद करीब ढाई किलोमीटर की दूरी पर आश्रम पहुंचा जा सकता है।

एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल के निकट होने के बावजूद आसान मार्ग नहीं होने के कारण यह क्षेत्र लंबे समय से उपेक्षित था। इसी समस्या को देखते हुए करीब चार वर्ष पहले नारायणी नदी पर पुल का निर्माण किया गया था। नए साल, माघ संक्रांति से माघ अमावस्या तक, महाशिवरात्रि और बड़ी एकादशी सहित विभिन्न पर्वों के अवसर पर बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु वाल्मीकि आश्रम पहुंचना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के बलोचिस्तान के पंजगुर जिले में विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू, कई जगह धमाका, क्वेटा में पुलिसवालों के हथियार लूटे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर जिले के चिडगी इलाके में बलोच विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया गया है। इस दौरान अलग-अलग जगहों पर मोर्टार शेल दागे जाने की भी खबरें हैं। उधर, क्वेटा में पुलिस अधिकारियों के हथियार लूटने की घटना के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सैन्य अभियान के दौरान पंजगुर जिले में कई जगह तेज धमाके हुए हैं। रिपोर्ट में स्थानीय सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि इस समय चिडगी और आसपास के इलाकों में पाकिस्तान की सेना का विद्रोहियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। अभियान के दौरान अनेक स्थानों पर मोर्टार शेल दागे जाने से धमाके हुए हैं। सेना इस अभियान में ड्रोन का भी सहारा ले रही है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि बलोचिस्तान के मध्य शहर और प्रांतीय राजधानी क्वेटा में 8 अगस्त की रात हथियारबंद लोगों ने कंबरानी रोड पर पुलिस ईगल स्क्वाड के लोगों को हिरासत में लेने के बाद उनके हथियार छीन लिए। इस दौरान गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि हथियारबंद लोगों ने अधिकारियों के हाथ बांध दिए और उनके सरकारी हथियार अपने साथ ले गए।

नेपाल में भारी बारिश से कई इलाकों में भूस्खलन, प्रमुख राजमार्गों पर यातायात प्रभावित

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में भूस्खलन होने के साथ सड़क अवरुद्ध हो गई हैं। इस वजह से प्रमुख राजमार्गों और सड़क खंडों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। पुलिस के अनुसार, काभ्रेपलाञ्चोक, सिन्धुपाल्चोक, इलाम, रसुवा, पश्चिम रुकुम और लमजुंग में भूस्खलन, मलबा गिरने, नदी के कटाव और मलबे के कारण सड़कें प्रभावित हुई हैं। काभ्रेपलाञ्चोक में भूस्खलन के बाद बीपी राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित की गई है। इस दौरान केवल दिन में यातायात की अनुमति दी जा रही है। इलाम नगरपालिका में मलबा गिरने के कारण मेची राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने यात्रियों से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है। सिन्धुपाल्चोक जिले में अरनिको राजमार्ग के कई हिस्से भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हैं, जिससे कई नगरपालिकाओं में यातायात प्रभावित हुआ है। रसुवा जिले में नदी के कटाव के कारण त्रिशूली-मेलुङ-स्याब्रुबेंसी सड़क पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा बैंकाक पहुंचे, 13 अगस्त को लौटेंगे स्वदेश

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के पूर्व सभापति शेरबहादुर देउवा हांगकांग से बैंकाक पहुंच गए हैं।

उनके 13 अगस्त को नेपाल लौटने की संभावना है। उपचार के सिलसिले में करीब पांच महीने से विदेश में रह रहे देउवा के 11 अगस्त को स्वदेश लौटने की तैयारी थी। हांगकांग से बैंकाक जाने के बाद उनके नेपाल लौटने का कार्यक्रम दो दिन आगे बढ़ गया है। देउवा के करीबी नेताओं के अनुसार, वह हांगकांग से थाईलैंड की राजधानी बैंकाक पहुंचे। अब बैंकाक से ही उनके नेपाल लौटने का कार्यक्रम तय किया गया है। वह 13 अगस्त को थाई एयरवेज की उड़ान से नेपाल लौटेंगे। नेपाली कांग्रेस के देउवा समूह के तत्वावधान में 14 अगस्त को काठमांडू के राष्ट्रीय सभा हाल में सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस में भाग लेने के लिए देशभर से नेता और कार्यकर्ता काठमांडू पहुंच रहे हैं। देउवा 13 अगस्त को दोपहर बैंकाक से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरेंगे। जेन-जी आंदोलन के दौरान पिछले साल 10 सितंबर को बूढानीलकंठ स्थित देउवा के आवास में आगजनी की गई थी। इस दौरान देउवा दंपति पर भी हमला हुआ था। देउवा दंपति बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर गए थे। उपचार के बाद नेपाल लौटे देउवा फालो-अप उपचार के लिए इस साल 25 फरवरी को फिर सिंगापुर गए थे। सिंगापुर से वह उपचार के लिए अपनी पत्नी आरजू राणा देउवा के साथ हांगकांग पहुंचे थे। लंबे समय तक हांगकांग में रहने के बाद वह बैंकाक पहुंचे ।

मोजतबा खामेनेई प्रभावशाली और रहस्यमयी व्यक्तित्व, पर्दे के पीछे रहकर करते हैं काम

ईरान ने सेहत के दावे खारिज कर जारी वीडियो में अफसरों से बात करते आए नजर

तेहरान

ईरान के राजनीतिक और धार्मिक हलकों में सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का नाम अब एक नया अध्याय लिख रहा है। अपने पिता और देश के पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के निधन के बाद वे ईरान के तीसरे सुप्रीम लीडर का पद संभाल रहे हैं। हालांकि, हाल के दिनों में उनकी सेहत को लेकर इज़राइली मीडिया और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स में गंभीर दावे किए जा रहे थे, जिन्हें खारिज करने के लिए ईरानी मीडिया ने उनका एक नया वीडियो जारी किया है। जिसमें मोजतबा अपने अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए दिखाई दे रहे हैं, इसी घटनाक्रम ने उन्हें वैश्विक मीडिया में चर्चा का केंद्र बना दिया है, और हर कोई इस प्रभावशाली और रहस्यमयी व्यक्तित्व के बारे में जानना चाहता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोजतबा खामेनेई का जन्म 8 सितंबर 1969 को ईरान के मशहाद शहर में हुआ था और वर्तमान में उनकी उम्र 56 साल है। वे ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के दूसरे पुत्र हैं। बचपन से ही देश के सबसे शक्तिशाली धार्मिक और राजनीतिक परिवार का हिस्सा रहे मोजतबा को हमेशा से ईरान के सत्ता गलियारों का एक प्रभावशाली चेहरा माना जाता रहा है। फरवरी 2026 में अपने पिता आयतुल्लाह अली खामेनेई के निधन के बाद मोजतबा खामेनेई को देश की सर्वोच्च सत्ता सौंपी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की 88 सदस्यीय धार्मिक संस्था असेंबली आफ एक्सपर्ट्स ने 8 मार्च 2026 को उन्हें औपचारिक रूप से नया सुप्रीम लीडर चुना था। यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि 1979 की ईरानी क्रांति के बाद पिता के बाद बेटे को सत्ता देना एक स्थापित परंपरा नहीं थी, लेकिन मोजतबा की मजबूत सैन्य और प्रशासनिक पकड़ के चलते उन्हें यह अहम जिम्मेदारी मिली है। मोजतबा खामेनेई की शिक्षा-दीक्षा धार्मिक और सैन्य दोनों ही क्षेत्रों में व्यापक रही है। उन्होंने अपनी हाईस्कूल की शिक्षा तेहरान के प्रतिष्ठित अलवी हाई स्कूल से 1987 में पूरी की। हाईस्कूल के बाद, उन्होंने देश सेवा में कदम रखा और ईरान-इराक युद्ध के दौरान रिवोल्यूशनरी गार्ड्स में अपनी सेवाएं दीं, जिससे उन्हें जमीनी सैन्य अनुभव प्राप्त हुआ। युद्ध के बाद उन्होंने सबसे प्रमुख शैक्षणिक केंद्र कोम शिया मदरसा का रुख किया। वहां उन्होंने इस्लामी कानून, दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र का गहन अध्ययन किया। ईरान के कई शीर्ष धर्मगुरुओं से शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे खुद मदरसे में उच्च स्तरीय धार्मिक कक्षाएं पढ़ाने लगे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें आयतुल्लाह की सम्मानित धार्मिक उपाधि से नवाजा गया। मोजतबा खामेनेई के अचानक खबरों में आने की मुख्य वजह उनकी सेहत से जुड़ी अफवाहें और उनकी रहस्यमयी कार्यशैली है। पद संभालने के बाद से वे किसी बड़े सार्वजनिक मंच पर कम ही नजर आए हैं, जिससे उनकी गतिविधियों को लेकर अटकलें बढ़ती रही हैं। पश्चिमी मीडिया खासकर इजराइली मीडिया ने दावा किया था कि वे गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। इन दावों का खंडन करने के लिए ईरान ने हाल ही में एक 12-सेकंड का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में सुप्रीम लीडर मोजतबा को अपने अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए दिखाया गया है, जिसका उद्देश्य यह दर्शाना है कि वे पूरी तरह स्वस्थ हैं और देश के मामलों को सक्रिय रूप से संभाल रहे हैं।

विरोध के बीच कनाडा में संघ प्रमुख भागवत के समर्थन में आया एक समुदाय, एनडीपी सांसदों ने संघ पर प्रतिबंध की लगाने की मांग की थी

टोरंटो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कनाडा दौरे को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के दो सांसदों ने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और संबंधित मंत्रियों को पत्र लिखकर भागवत को कनाडा में प्रवेश देने से रोकने तथा आरएसएस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। वहीं, इंडो-कैनेडियन समुदाय ने इस मांग का विरोध करते हुए इसे विभाजनकारी बताया है। एनडीपी सांसद हीथर मैकफर्सन और जेनी क्वान ने अपने पत्र में आरएसएस को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने संगठन को उग्रवादी और फासीवादी अर्धसैनिक संगठन बताते हुए कहा कि भागवत की कनाडा यात्रा से कुछ अल्पसंख्यक समुदायों में भय और असुरक्षा बढ़ सकती है। सांसदों ने कनाडा के आप्रवासन और शरणार्थी संरक्षण कानून के प्रावधानों के तहत आरएसएस और उसके सदस्यों को देश में प्रवेश से रोकने की मांग भी की।

नेपाल के सत्तारूढ़ दल के मंत्रियों को माह में एक बार पार्टी मुख्यालय में बैठने का निर्देश

काठमांडू

नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने मंत्रियों को नागरिकों के प्रति जवाबदेही बनाने के लिए केंद्रीय कार्यालय घंटीघर में प्रत्येक मंत्री को महीने में एक बार अनिवार्य रूप से दो घंटे उपस्थित होने का निर्देश जारी किया है।

पार्टी के सह महामंत्री आसिम शाह ने कहा, लोकतंत्र का मूल भाव यह है कि निर्वाचित नेतृत्व लगातार नागरिकों की निगरानी, सुझाव और संपर्क में रहे। इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए जनउत्तरदायी, पारदर्शी और परिणाममुखी राजनीतिक संस्कार विकसित करने के लिए मंत्री महीने में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से केंद्रीय पार्टी कार्यालय में उपस्थित होकर नागरिकों और पार्टी की पंक्ति के साथ प्रत्यक्ष संवाद करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आम लोगों की आवाज को सीधे राज्य के नीति-निर्माण और कार्यान्वयन के स्तर तक पहुंचाने वाले पुल के रूप में काम करेगा।

शाह के अनुसार, एक ही दिन दो चरणों में कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। पहले चरण में नागरिक संवाद होगा। शाम 5 बजे से 6 बजे तक एक घंटे का समय पूरी तरह आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। इस दौरान मंत्री सीधे आम लोगों की शिकायतें, समस्याएं, अपेक्षाएं और सुझाव सुनेंगे।

इसी तरह, दूसरे चरण में शाम 6 बजे के बाद एक घंटे तक नेतृत्व संवाद कार्यक्रम चलेगा। इस चरण में मंत्री, पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य और प्रतिनिधिसभा सदस्य संयुक्त बैठक करेंगे। इसके बाद पहले चरण में नागरिकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर देश के समसामयिक, बहुआयामी और नीतिगत विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी।

शाह ने कार्यक्रम संचालित करने के चार प्रमुख कारण बताए हैं। पहला, नागरिक, सरकार (मंत्री), विधायिका (सांसद) और संगठन (केंद्रीय समिति) के बीच समन्वय को मजबूत करते हुए नागरिकों के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए साझा रणनीति तय करना है। दूसरा उद्देश्य मंत्रियों को आम नागरिकों के प्रति सीधे तौर पर जवाबदेह बनाना है। तीसरे उद्देश्य के तहत नागरिकों की वास्तविक समस्याओं को समझकर राष्ट्रीय नीति और कानून निर्माण के संबंध में पार्टी की धारणा तय की जाएगी। चौथा उद्देश्य नागरिकों, पार्टी के संगठनात्मक स्तर, संसदीय दल और सरकार में मौजूद प्रतिनिधियों के बीच प्रभावी सूचना तथा कार्ययोजना का आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है।

होर्मुज संकट पर ट्रंप का नया रुख

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अमेरिका फिलहाल ईरान के खिलाफ किसी नई सैन्य कार्रवाई के बजाय उसकी आर्थिक मुश्किलों के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खुलवाने की रणनीति अपना सकता है। ट्रंप का यह बयान उस समय आया है जब ईरान ने जलडमरूमध्य खोलने से पहले अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। ट्रंप ने एक बातचीत में कहा कि अमेरिका इस मामले को फिलहाल शांत तरीके से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने ईरान के साथ बातचीत को भी सीमित बताते हुए कहा कि अमेरिका फिलहाल हालात पर नजर रख रहा है। ट्रंप ने ईरान की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि देश महंगाई और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास पर्याप्त धन नहीं है और मौजूदा परिस्थितियां उस पर दबाव बढ़ा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि युद्ध के बावजूद अमेरिकी नागरिकों पर आर्थिक दबाव अपेक्षाकृत कम हुआ है, क्योंकि तेल की कीमतें नीचे आई हैं। ट्रंप की टिप्पणी से कुछ घंटे पहले ईरान ने कहा था कि वह अमेरिकी मांगों के बिना होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से नहीं खोलेगा। ईरान की ओर से रखी गई शर्तों में अमेरिका द्वारा ईरान को धमकी या अपमानित नहीं करने समेत कई मांगें शामिल बताई गई हैं।

हूती का यमन के बंदरगाह शहर अल-मखा पर हमला, चार सैनिक और तीन नागरिक मारे गए

सना (यमन)

हूती (अंसार अल्लाह) ने लाल सागर में तनाव के बीच यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के नियंत्रण वाले ऐतिहासिक बंदरगाह अल-मखा पर हमला किया है। हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों और विस्फोटक से लदे ड्रोन का इस्तेमाल करके बंदरगाह परिसर को निशाना बनाया। हमले के तुरंत बाद धमाकों की आवाज सुनी गई और बंदरगाह इलाके में भीषण आग लग गई। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हमले में सात लोग मारे गए और 15 घायल हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार, हूती विद्रोहियों ने मुख्य रूप से बंदरगाह पर नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाया। हमले के बाद आसमान में काले धुएं के गुबार और ऊंची लपटें उठती देखी गईं। महत्वपूर्ण यह है कि हूती यमन का चरमपंथी, राजनीतिक और सैन्य संगठन है। यह मुख्य रूप से यमन के उत्तरी हिस्से के जैदी शिया मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता है। इसे ईरान का सीधा समर्थन प्राप्त है। अमेरिका, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हूती को आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं।

यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, हमलों में चार सैनिक और तीन आम लोग मारे गए। इस दौरान यमन सरकार की वायु रक्षा प्रणाली ने हूती के 11 ड्रोन मार गिराए। बंदरगाह के निदेशक अब्दुल मलिक अल-शराबी ने हूती के हमलों की पुष्टि की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हूती की मिसाइलें एक स्थानीय टेलीविजन केंद्र के मुख्यालय और एक सरकारी इमारत के पास भी गिरीं।

इस बंदरगाह की देखरेख करने वाले यमन के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि हमले के बाद मंत्री मोहसेन अली हैदराह की अध्यक्षता में एक आपात वर्चुअली बैठक हुई। बैठक में हमले की निंदा की गई। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने हमलों की जिम्मेदारी ली है। यमन में हिंसा का नया दौर शुरू हुआ है। हूती ने मारिब और हद्रमौत में यमनी सेना के कई ठिकानों पर हमला किया। इसके बाद यमन की सेना ने भी हूती के सैन्य ठिकानों पर बमबारी की।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की खास पहल, जेनेवा पहुंचा पांच मोरों का कुनबा, यूएन ने बनाया 'फोटो ऑफ द वीक

जेनेवा

भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा को भेंट किए गए पांच भारतीय मोर एरियाना पार्क पहुंच गए। संयुक्त राष्ट्र ने मोरों के आगमन की तस्वीरें साझा करते हुए इसे अपना 'फोटो ऑफ द वीक बताया है।

संयुक्त राष्ट्र जेनेवा कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारत के पांच मोर एरियाना पार्क पहुंच गए हैं। यह भारत के राष्ट्रीय पक्षी से जुड़ा एक सुंदर प्रतीकात्मक उपहार है और संयुक्त राष्ट्र परिसर में चली आ रही एक सदी पुरानी मोर परंपरा को आगे बढ़ाता है।

भारत ने यूएन को भेंट किए पांच मोर

07 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि अरिंदम बागची ने एक विशेष समारोह में पांच मोरों को संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा की महानिदेशक तात्याना वलोवाया को सौंपा था।

इनमें चार नीले और एक सफेद मोर शामिल हैं।

वलोवाया ने भारत सरकार की इस पहल की सराहना की। उन्होंने बताया कि मोरों के लिए फिलहाल एक अस्थायी आवास तैयार किया गया है। शुरुआती करीब तीन महीने वे सुरक्षित और बंद परिसर में रहेंगे और वयस्क होने के बाद एरियाना पार्क में स्वतंत्र रूप से विचरण कर सकेंगे।

भारत के स्थायी मिशन ने बताया कि यह भेंट भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच साझेदारी तथा बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

एक सदी पुरानी परंपरा से जुड़ा है मोरों का इतिहास

एरियाना पार्क में मोरों की मौजूदगी एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जेनेवा का यह परिसर एक सदी से अधिक समय से मोरों का घर रहा है।

भारत इससे पहले भी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा को मोर भेंट कर चुका है। वर्ष 1981 में भारत ने वहां एक जोड़ी मोर दिए थे। इस बार पांच नए मोरों के आने से एरियाना पार्क की जैव विविधता में भी वृद्धि होगी।

भारतीय मिशन के अनुसार, भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर सुंदरता, गरिमा और दृढ़ता का प्रतीक है। इस पहल के जरिए भारत ने अपनी समृद्ध प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया है।

भारत-यूएन संबंधों का भी प्रतीक

भारत की ओर से मोरों का यह उपहार केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है। भारतीय मिशन ने इसे भारत की समृद्ध प्राकृतिक विरासत, संयुक्त राष्ट्र के साथ दीर्घकालिक साझेदारी और बहुपक्षीय व्यवस्था में विश्वास का प्रतीक बताया है।

संयुक्त राष्ट्र परिसर में भारत के राष्ट्रीय पक्षी का पहुंचना दोनों संस्थाओं के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और पर्यावरण संरक्षण के साझा संदेश को भी रेखांकित करता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्व–पूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि ख़ुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें–फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 अगस्त 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 01:55 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु प्रातः 10:10 तक
योग : सिद्धि सायं 06:51 तक
करण : विष्टि सायं 03:24 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा सायं 03:24 तक , मंगलागौरी व्रत-पूजनै

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विफा कोयंबतूर चैप्टर के मंत्रिमंडल का पुनर्गठन, निर्मल शर्मा बने अध्यक्ष

कोयंबतूर, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विप्र फाउंडेशन कोयंबतूर चैप्टर की बैठक रामदेव बाबा मंदिर, कोयंबतूर में आयोजित की गई। बैठक में चैप्टर के मंत्रिमंडल का सर्वसम्मति से पुनर्गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में निर्मल शर्मा को अध्यक्ष और मोहन सिंह भवरानी को महामंत्री चुना गया।

बैठक की शुरुआत में मगनजी रावल ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा बैठक में शामिल सदस्यों का स्वागत किया।

जोन अध्यक्ष श्रवण बोहरा ने कहा कि सभी को मिलकर कोयंबतूर चैप्टर को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि जोन के विभिन्न शहरों में समाज के अधिक से अधिक सदस्यों को संगठन से जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने संगठन को और अधिक विस्तार देने तथा समाजहित में आगे बढ़ने पर जोर दिया।

इस अवसर पर रीजनल महामंत्री भगवान व्यास का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर पुनः कोयंबतूर पहुंचकर संगठन को मार्गदर्शन दिया। उनसे विप्र फाउंडेशन की विस्तृत जानकारी सदस्यों के समक्ष रखने का अनुरोध किया गया।

रीजनल महामंत्री भगवान व्यास ने सबसे पहले जोन 17-ए के अध्यक्ष श्रवण बोहरा, सचिव गोपालसिंह अराबा एवं कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा का परिचय उपस्थित सदस्यों से कराया।

इसके बाद उन्होंने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अब तक किए गए कार्यों, संगठन की नीतियों तथा विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी। उन्होंने विप्र फाउंडेशन के विभिन्न प्रकल्पों एवं संगठनात्मक निर्णयों के बारे में भी विस्तार से जानकारी साझा की।

बैठक में सर्वसम्मति से विप्र फाउंडेशन कोयंबतूर चैप्टर की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

अध्यक्ष: निर्मल शर्मा
महामंत्री: मोहन सिंह भवरानी
उपाध्यक्ष: अशोक सिंह राजपुरोहित, गोपाल शर्मा, डालूसिंह राजपुरोहित
उपमंत्री: दलपत सिंह साथु, भरत जोशी
कोषाध्यक्ष: संजय शर्मा
सह-कोषाध्यक्ष: अजय शर्मा
कार्यकारिणी सदस्य: अशोक सिंह राजपुरोहित, रविसिंह सांकरना, वसंत राजपुरोहित, देवेंद्र शर्मा
युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष: सुभाष गौड़
युवा प्रकोष्ठ: राजू रावल

नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने, समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने तथा विप्र फाउंडेशन के विभिन्न प्रकल्पों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बैठक के अंत में मंत्री के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बांसवाड़ा में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तिरंगा फहराया गया

बांसवाड़ा, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के बांसवाड़ा कार्यालय पर तिरंगा फहराया गया। इगझ शहर अध्यक्ष गंगारेड्डी ने कहा कि 10 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने का उद्देश्य देश की एकता और देशभक्ति को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित

पेद्दापल्ली, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में पेद्दापल्ली के ध्वज चौक पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का भव्य कार्यक्रम हुआ। भाजपा नगर अध्यक्ष पेंजरला राकेश के नेतृत्व में सेवानिवृत्त सेना अधिकारी मेकाला विजय कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाकर देशभक्ति का जश्न मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य हर घर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना बताया गया।

सरकारी एरिया अस्पताल में प्राइवेट एम्बुलेंस रैकेट पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन

बांसवाड़ा, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी एरिया अस्पताल के सुपरिटेंडेंट श्रीनिवास ने प्राइवेट एम्बुलेंस के कमीशन रैकेट पर स्पष्ट किया कि केवल सरकारी एम्बुलेंस और 108 वाहन अस्पताल के गेट के अंदर प्रवेश कर सकते हैं। प्राइवेट एम्बुलेंस और ड्राइवरों को प्रवेश नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कमीशन के आरोपों को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अस्पताल में मरीजों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे। ऑपरेशन थिएटर की जांच रिपोर्ट आने के बाद इसे जल्द पुनः खोला जाएगा और डिलीवरी सेवाएं फिर से शुरू होंगी। श्रीनिवास ने गरीब मरीजों को बेहतर सेवा देने का भी भरोसा दिलाया है।

सेवा के कार्यों से समाज को नई दिशा दे रहा राधे-राधे ग्रुप : प्रमोद गुप्ता

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने सेवा, सहयोग और मानवता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रमोद गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस समर्पण और निरंतरता के साथ समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में पूरे समाज के लिए अनुकरणीय और सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना मानवता की सबसे बड़ी सेव-ाओं में से एक है। अन्न का दान केवल किसी की भूख मिटाने का कार्य नहीं, बल्कि किसी के जीवन में संवेदना, अपनापन और सहयोग का भाव जगाने का माध्यम भी है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, संजय गुप्ता, प्रमोद गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई और जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया।

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ श्रमिक और किसान संगठनों का प्रदर्शन

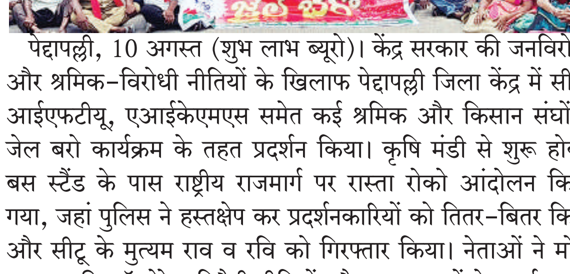

पेद्दापल्ली, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार की जनविरोधी और श्रमिक-विरोधी नीतियों के खिलाफ पेद्दापल्ली जिला केंद्र में सीटू, आईएफटीयू, एआईकेएमएस समेत कई श्रमिक और किसान संघों ने जेल बरो कार्यक्रम के तहत प्रदर्शन किया। कृषि मंडी से शुरू होकर बस स्टैंड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर रास्ता रोको आंदोलन किया गया, जहां पुलिस ने हस्तक्षेप कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया और सीटू के मुत्यम राव व रवि को गिरफ्तार किया। नेताओं ने मोदी सरकार की कॉरपोरेट-हितैषी नीतियों और श्रम कानूनों के पुनर्गठन पर कड़ी आपत्ति जताई। प्रदर्शन में कई श्रमिक संघों के नेता भी शामिल रहे।

लोकप्रिय लोक और फिल्म गायक मंगली ने सोमवार को कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेय स्वामी के प्रसिद्ध मंदिर का दौरा किया। उन्होंने स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की और श्रद्धा भाव से मत्था टेका।

बैडमिंटन में सिमरन-कविप्रिया की शानदार उपलब्धि विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन रत्न श्री रमेश पी. तातेड ने बताया कि सिरोही के उमराबेन-यशवंतजी सिंघी की पौत्री एवं पूनमबेन-अमन सिंघी की सुपुत्री खिलाड़ी सिमरन सिंघी ने बैडमिंटन के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिरोही का गौरव बढ़ाया है।

सिमरन ने हैदराबाद स्थित गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त किया है और अब कविप्रिया सेल्वम के साथ महिला युगल में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। सिमरन-कविप्रिया की जोड़ी विश्व की दूसरी सर्वश्रेष्ठ महिला युगल जोड़ियों में स्थान बना चुकी है। दोनों खिलाड़ियों ने वर्ष 2024 में लागोस अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब भी अपने नाम किया था। अब सिमरन और कविप्रिया की जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में भारत की चुनौती पेश करेगी। उनकी इस उपलब्धि से सिरोही के साथ-साथ सिंघी परिवार एवं समाज में खुशी का माहौल है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर पुष्पाबेन आर. तातेड, हिया, जिनय, एतांश, हरित एवं झालमचंदजी तातेड परिवार, सिर-ोही की ओर से सिमरन सिंघी एवं सिंघी परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

सिरोही में परम पूज्य आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय जगचंद्रसूरिश्वरजी म. सा. आदि ठाणा के तत्वावधान में संपूर्ण वर्षावास समारोह (चातुर्मास) का आयोजन किया जा रहा है।इस धार्मिक आयोजन के लाभार्थी श्रीमान अभयचंदजी भाणाजी परिवार, सिरोही-नारादरा को भी हैदराबाद-सिकंदराबाद-सिरोही प्रवासी जैन संघ की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। संघ के सदस्यों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों एवं चातुर्मास जैसे आध्यात्मिक अवसरों से समाज में धर्म, संस्कार और सेवा की भावना को मजबूती मिलती है। वहीं सिमरन सिंघी जैसी युवा प्रतिभाओं की उपलब्धियां समाज और क्षेत्र के लिए प्रेरणादायी हैं।

माथुर वैश्य समाज द्वारा खेलकूद कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माथुर वैश्य समाज शाखा सभा, महिला मंडल एवं युवा दल के संयुक्त तत्वावधान में गोशमहल स्थित हिंदी नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में समाज के बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न खेलों का आनंद उठाया।

कार्यक्रम के दौरान कैरम बोर्ड, शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों ने विशेष उत्साह के साथ खेलों में भाग लिया, वहीं महिलाओं और पुरुषों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर कार्यक्रम को मनोरंजक बनाया।

इस अवसर पर माथुर वैश्य समाज शाखा सभा के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, गोपाल गुप्ता, पवन गुप्ता, विशाल गुप्ता एवं दीपक गुप्ता उपस्थित रहे।

महिला मंडल की अध्यक्ष नीलम गुप्ता के साथ श्वेता गुप्ता, शालिनी गुप्ता, अंजली गुप्ता, मीनू गुप्ता, कंचन गुप्ता एवं पिंकी गुप्ता ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

युवा दल के अध्यक्ष हिमांशु गुप्ता के साथ श्याम गुप्ता, प्रणव गुप्ता, विकास गुप्ता, यश गुप्ता, कौशल गुप्ता, रोहित गुप्ता एवं अनिकेत गुप्ता सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान समाज के सदस्यों में आपसी मेल-जोल, उत्साह और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। सभी ने खेलकूद गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

कार्यक्रम के समापन पर समाज के सदस्यों ने उत्साह के साथ जय माथुर वैश्य समाज का उद्घोष किया।

पेयजल संकट, राल्ला वागु बाढ़ में पाइपलाइन बहने से पानी की समस्या

मंचेरियाल, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राल्ला वागु में बाढ़ के कारण नगर पालिका की मुख्य पेयजल पाइपलाइन बह जाने से पिछले दस दिनों से शहरवासियों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। खासकर ऊपरी इलाकों में पानी की भारी कमी है। मरम्मत कार्य में बाधा बनी बाढ़ के पानी को बिजली मोटरों से पंप कर निकाला जा रहा है, लेकिन पाइपलाइन की मरम्मत अभी पूरी नहीं हुई है।

विभिन्न कॉलोनियों में लगभग 12 टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से मिशन भागीरथ पाइपलाइन के जरिए पानी टैंकरों में भरकर शहर पहुंचाया जा रहा है। नगर की मुख्य पानी टंकी की मरम्मत भी जारी है। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से शीघ्र मरम्मत और पर्याप्त वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। वे प्रशासन पर मरम्मत कार्य में समन्वय की कमी और लागत बढ़ाने का आरोप भी लगा रहे हैं। स्थानीय नागरिक चाहते हैं कि भविष्य में बाढ़ से बचाव के लिए पहले से वैकल्पिक पानी की व्यवस्था हो और नियमित पेयजल आपूर्ति जल्द बहाल की जाए।

तप और वैराग्य

तप और वैराग्य की पतवार के सहारे ही जीवन-रूपी नाव को सहजता से किनारे ले जा सकते हैं। सत्य की प्राप्ति तपस्वी ही कर सकता है। शारीरिक और मानसिक प्रलोभनों से बचने में जिस सहिष्णुता, धैर्य और संयम की आवश्यकता पडती है, उसे जुटा लेने का नाम ही तप है। अकारण शरीर को सताने का नाम तप नहीं है। सताना तो किसी का भी बुरा है, फिर शरीर को व्यथित और संतप्त करने से क्या होगा। तपस्या वह है, जो सत्य जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने के कारण सीमित उपार्जन से निर्वाह करने की स्थिति में मितव्ययिता अपनानी पडती है। इसे प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार और शिरोधार्य करने का नाम ही तो तप- साधना है। इसी प्रकार, वैराग्य का अर्थ घर-परिवार को छोड, विचित्र वेश बनाना या भिक्षाटन करना नहीं है, वरन यह है कि जिस राग-द्वेष की धूप-छांह में सारा जगत हंसता, रोता, अशांत और उद्विग्न रहता है, उस विडंबना से बचते हुए महान लक्ष्य की ओर अनवरत गति से चलते जाना। सत्यनिष्ठ व्यक्ति इस असत्यमग्न संसार को एक विचित्र प्राणी लगता है। उसे भी अज्ञान के अंधकार में भटकती दुनिया दयनीय लगती है। दोनों का तालमेल नहीं बैठता। यह विसंगति कहीं कटुता उत्पन्न करती है, कहीं तिरस्कार उलीचती है। कहीं अवरोध उत्पन्न करती है, तो कहीं त्रास देती है। इसे उपेक्षापूर्वक देखना वैराग्य है और इस पर भी जो त्रास सहने पडे, उन्हें संतोषपूर्वक सहने का नाम तप है। वैराग्य और तप की पतवार के सहारे विवेकवान व्यक्ति अपनी साधना की नाव खेते हैं और सत्य के परम लक्ष्य तक जा पहुंचते हैं।

जो भक्त करते हैं साई बाबा का व्रत उनके दूर हो जाते हैं कष्ट

कहते हैं अगर साई बाबा का व्रत 9 गुरुवार तक लगातार किया जाए , तो साईं भक्त की हर मनोकामना पूरी हो सकती है। फिर चाहे वह मनोकामना नौकरी, शादी, स्थानांतरण की हो या फिर किसी भी तरह की। दुख से भरे मन को साईं सहारा देते हैं। गुरुवार का दिन साईं का रहता है और इस दिन जो साईं भक्त व्रत और पूजा करता है। साईं की उस पर विशेष कृपा बरसती है। साईं बाबा का व्रत कोई भी कर सकता है। यहां तक की बच्चें भी साईं के व्रत को कर सकते हैं। साईं अपने भक्तों में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं, अमीर हो या गरीब सभी बाबा के दर पर आते हैं और झोली भरकर खुशियां ले जाते हैं। साईं बाबा का व्रत एक बार शुरु करने के बाद 9 गुरुवार तक किया जाता है। इस व्रत को आप बीच में नहीं छोड सकते हैं। मुश्किल कैसी भी हो 9 व्रत पूरे तक इसे नहीं छोडा जा सकता है।

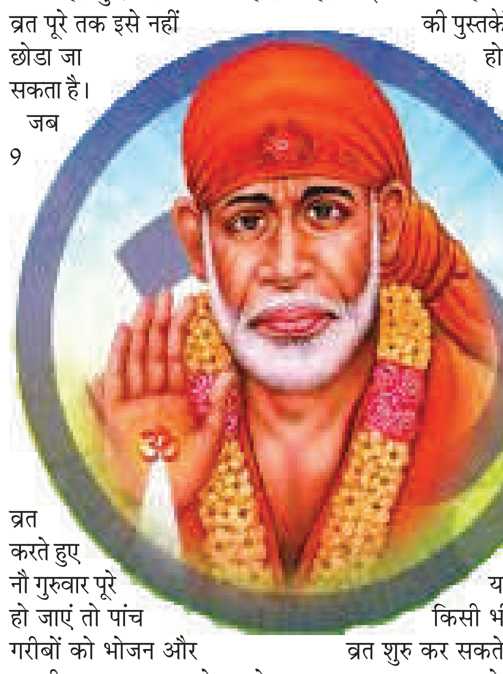

जब 9 व्रत करते हुए नौ गुरुवार पूरे हो जाएं तो पांच गरीबों को भोजन और अपनी इच्छानुसार दान देना होता है। इसके साथ ही साईं बाबा की पुस्तकें भी बांटनी होती हैं। गुरुवार के दिन शुक्लपक्ष या कृष्णपक्ष किसी भी तिथि में व्रत शुरु कर सकते हैं। 9 गुरुवार तक व्रत करने से मकान मिलना, नौकरी मिलना या विदेश यात्रा पर जाना संभव हो पाता है। मान्यता है कि साईं को कुमकुम लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मौली (कलावा या रक्षा सूत्र) बांधने से इंसान मर्यादा में रहता है।

दूध अर्पित करने से वंश की वृद्धि होती है। दही समर्पित करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और शहद अर्पित करने से जीवन में मधुरता आती है। साईं बाबा की पूजा करते समय हमेशा दाहिनी और घी का दीपक और बायीं और तेल का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए।

घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर में यश और खुशी की आती है और तेल का दीपक प्रज्वलित करने से किसी भी प्रकार की गृहदशा, मंगल दोष शनिदोष दूर होता है।

इस तैरते हुए मंदिर में आने से सुख सृमद्धि बढती है, यही जटायु ने किया था रावण से युद्ध

आँध्रप्रदेश के अनंतपुर में स्थित एक छोटा सा गाँव है, मान्यता है की यह रामायण के समय की वो ही जगह है जहाँ रावण से युद्ध के पश्चात घायल हो के गिद्धराज-जटायू गिरे थे। साथ ही यंहा ये मंदिर सोलहवीं सदी में बना है जो अपने जबरदस्त हस्तकला के लिए जाना जाता है। मंदिर काफी बडे क्षेत्र में फैला है और इसमे नारायण महादेव और वीरभद्रा के तीन अलग अलग मंदिर भी आकर्षण का केंद्र है।

मंदिर को झूलते हुए मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, इसमे सत्तर खम्भे लगे है जिसमे से एक हवा में तैर रहा है। इस एक झूलते हुए खम्भे के कारण इसे हैंगिंग टेम्पल कहा जाता है। ये खम्भा पहले हवा में नहीं तैर रहा था पर एक ब्रितानी कारीगर ने जब ये जानना चाहा के ये खम्बे टीके किस पर है और नीचे से सफाई की तो ये खम्भा भी झूल गया, इसका मतलब ये भी है की बाकि के खंभे भी हवा में है।

मंदिर की मान्यता यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की मान्यता है की इसके नीचे से कपडा निकलने से सुख सृमद्धि बढती है। इस मंदिर का निर्माण कि पौराणिक मान्यता यह है की लेपाक्षी परिसर में स्थित विरभद्र मंदिर का निर्माण ऋषि अगस्तय ने करवाया था। जब राम सीता को तलाशते हुए यहां राम लखन पहुंचे तो उन्होंने उस घायल पक्षी को देख कर कहा 'ले पाक्षी' यानी की उठो पक्षी जो कि एक तेलगु शब्द है। मंदिर से 200 मीटर दूर मेन रोड पर एक ही पत्थर से बनी विशाल नंदी प्रतिमा है जो की 27 फीट लम्बी, 4.5 मीटर ऊंची है। यह एक ही पत्थर से बनी नंदी की सबसे विशाल प्रतिमा है जबकि एक ही पत्थर से बनी दूसरी सबसे बडी प्रतिमा है (गोमतेश्वर सबसे बडी)। एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बनी विशाल नागलिंग प्रतिमा भी स्थापित है जो की संभवतया सबसे विशाल नागलिंग प्रतिमा हैं। इस काले ग्रेनाइट से बनी प्रतिमा में एक शिवलिंग के ऊपर सात फन वाला नाग फन फैलाय बैठा है। मंदिर में स्थित है राम पदचिन्ह जबकि कइयों का मानना है की यह माता सीता के पैरों के निशान है।

जानिये ऐसा क्या हुआ की कृष्ण ने कर्ण की प्रशंसा की

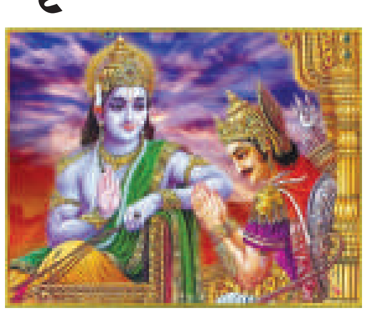

एक बार कृष्ण और अर्जुन एक गांव की तरफजा रहे थे तभी अर्जुन ने कृष्ण से कहा कि क्यों कर्ण को दानवीर कहा जाता है और उन्हें नहीं। यह सुन कर कृष्ण ने दो पर्वत को सोने में बदल दिया, और अर्जुन से कहा कि वह इसका सारा सोना गाँव वालो के बीच में बाट दे। तब अर्जुन गाँव गए और सारे लोगों से कहा कि वे पर्वत के पास इक्कट्ठा हो जाएं क्योंकि वे सोना बाटने जा रहें हैं।

पांचों पांडवों से ज्यादा बलवान और बुद्धिमान कर्ण से सीखें ये 7 चीजें यह सुन कर गाँव वालो ने अर्जुन की जय जय कार करनी शुरू कर दी और अर्जुन छाती चौडी कर पर्वत की तरफचल दिए। दो दिन और दो रातों तक अर्जुन ने सोने के पर्वत खोदा और खोद कर सोना गाँव वालो में बाटा। इतने से पर्वत पर कोई असर नहीं हुआ। लेकिन बहुत सारे गाँव वाले वापस आके कतार में खडे होकर इंतजार करने लगे। अर्जुन अब थक चुके थे लेकिन अपने अहंकार को नहीं छोड रहे थे। उन्होंने कृष्ण से कहा कि अब वो थोडा आराम करना चाहते हैं इसके बिना वो खुदाई नहीं कर पाएंगे। तब कृष्ण ने कर्ण को बुलाया और कहा कि सोने के पर्वत को इन गाँव वालों के बीच में बाट दें। गीता के इन उपदेशों को मानिये, जीवन में कभी नहीं होगी आपकी हार कर्ण ने सारे गाँव वालों को बुलाया और कहा कि ये दोनों सोने के पर्वत उनके हैं और उनसे आ कर सोना ले लो। अर्जुन भौंचक्के हो गये और सोचने लगे कि यह ख्याल उनके दिमाग में क्यों नहीं आया।

तभी कृष्ण मुस्कुराये और अर्जुन से बोले कि तम्हे सोने से मोह हो गया था और तुम गाँव वालो को उतना ही सोना दे रहे थे जितना तुम्हें लगता था कि उन्हें जरुरत है। इसलिए सोने को दान में कितना देना है इसका आकार तुम तय कर रहे थे।

ये हैं महाभारत की 10 प्रेम कहानियाँ जो कोई नहीं जानता लेकिन कर्ण ने यह सब नहीं सोचा और दान देने के बाद कर्ण वह से दूर हट गया। वह नहीं चाहता कि कोई उसकी प्रशंसा करे और ना उसे इस बात से कोई फर्क पडता है कि कोई उसके पीछे उसके बारे में क्या बोलता है। यह एक निशानी है उस आदमी की जो आत्मज्ञान हासिल कर चुका है। दान देने के बदले में धन्यवाद या बधाई की उम्मीद करना उपहार नहीं सौदा कहलाता है। इसलिए दान करो बिना किसी उम्मीद के ।

यमुना नदी, यमराज की बहन है

हिंदू पौराणिक ग्रंथों के अनुसार यमुना नदी, यमराज की बहन है। जिसका नाम यमी भी है। यमराज और यमी के पिता सूर्य हैं। यमुना नदी का जल पहले साफ, कुछ नीला, कुछ सांवला था, इसलिए इन्हें 'काली गंगा और 'असित' भी कहते हैं। असित एक ऋषि थे। सबसे पहले यमुना नदी को इन्होंने ही खोजा था। तभी से यमुना का एक नाम 'असित' संबोधित किया जाने लगा। यमुना जिसे यमुनोत्री भी कहा जाता है। यह नदी उत्तरकाशी से 30 किमी उत्तर, गढवाल से निकली है। और अंत में इलाहाबाद में गंगा नदी से मिल जाती है। जहां यह त्रिवेणी(गंगा, सरस्वती, जमुना या यमुना) कहलाती है। यमुना की सहायक नदियां चम्बल, सेंगर, छोटी सिन्ध, बेतवा और केन हैं। यमुना के तटवर्ती नगरों में दिल्ली और आगरा के अतिरिक्त इटावा, काल्पी, हमीरपुर और प्रयाग मुख्य है। जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण को ब्रज संस्कृति का जनक कहा जाता है, ठीक उसी तरह यमुना को जननी का स्थान दिया गया है।

किस करण से कुंभकर्ण सोता था 6 महीनों तक, जानें रहस्य

इंद्र-इंद्र देवताओं के देवता थे लेकिन वे कुंभकर्ण से ईर्षा करते थे क्योंकि वह बहुत बुद्धिमान और बहादुर था। इसके लिए इंद्र कुंभकर्ण से बदला लेने के लिए सही समय का इंजार कर रहे थे।

यज्ञ-तीनों भाई रावण, कुंभकर्ण और विभीषण ने ब्रहमा को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ और यागा किया।

वरदान या अभिशाप-यज्ञ से प्रसन्न होके तीनो भाइयों को वरदान देने के लिए ब्रहमा प्रकट हुए। और उन्होंने ने कुंभकर्ण से पूछा की उसे क्या वरदान चाहिए। तब कुंभकर्ण ने कहा कि उसे इंद्रासन चाहिए लेकिन उसके मुँह से निद्रासन निकला।

व्याकुल कुंभकर्ण-जब कुंभकर्ण ने इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहा तब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ की उसने क्या कहा दिया। जब तक उसे कुछ समझ आता ब्रहमा तथाअस्तु बोल चुके थे। हालांकि की कुंभकर्ण ने कहा कि उसकी इच्छा पूरा ना करें लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इंद्र की चाल-जैसे की हम सब जानते थे कि इंद्र कुंभकर्ण ईर्षा करते थे। जिसके चलते इंद्र ने देवी सरस्वती से जाके अनुरोध किया कि कुंभकर्ण इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहे।

कुंभकर्ण की नींद-तभी से कुंभकर्ण 6 महीने की नींद में चले जाने के बाद फिर से 6 महीने के बाद तग जगता रहा और उसे जो कुछ भी प्राप्त हुआ वह उससे अपनी भूख मिटाता रहा।

केनोपनिषद: कुछ इस तरह पाएं मन की इच्छाओं से आत्मज्ञान

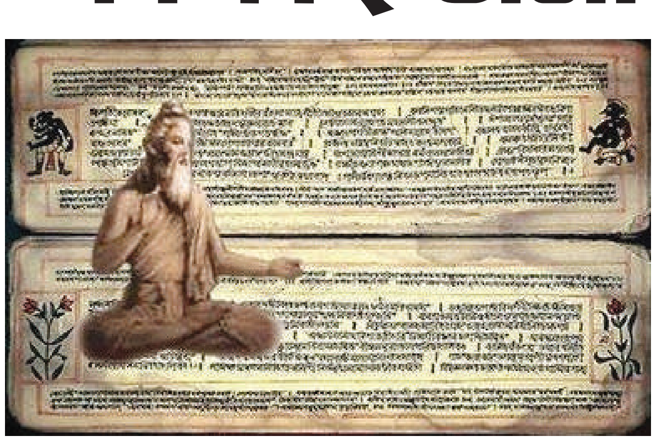

केनोपनिषद को चार खंडो में बांटा गया है। पहले खंड में मन की इच्छाओं, दूसरे खंड में ईश्वर के निराकार रूप, तीसरे खंड में परब्रहमा की सत्त के बारे में और चौथे खंड में विद्या की देवी सरस्वती द्वारा परब्रहम की विजय के बारे में बताया है। जिंदगी में आप ईश्वर के अध्यात्मरूपी प्रकाश से प्रकाशवान हो सकते हैं उसके बारे में बडी ही सरलता सहजता से बताया गया है।

शांतिपाठ

ऊँ अप्यायंतु ममांगानि
वाक्प्राणचक्षुष: श्रोतमथो
बलमिन्द्रियाणि च सर्वाणि सर्वं
ब्रहमोनिषदं माहं ब्रहमा निराकुर्यां
मा मा ब्रहम निराकरोद
निराकरणमस्त्वनिराकरणं मे
अपिस्तुतदात्मानि निरते य
उपनिषत्सु धर्मास्ते मयि संतु।

यानि मेरे सभी अंग पुष्ट हों और मेरी वाणी, आत्मा, सुनने की शक्ति के साथ पूरी इंद्रियां पुष्ट हों। सभी विद्या ब्रहमा ने उपनिषदों के रूप में दी है। मैं ब्रहमा का निराकरण न करूं, ब्रहमा मेरा निराकरण न करे। इस प्रकार हमारा परस्पर अनिराकरण हो। उपनिषदों में जो धर्म है, वह आत्मज्ञान में लगे हुए मुझ में निहित हो, वह मेरे अंदर समा जाए , उपनिषदों में जो धर्म है उसका निराकार आत्मज्ञान मुझ में समा जाए और मेरे कई प्रकार के तापों को शांति मिले।

प्रथम खंड

1.जिसे कोई नेत्र नहीं देखता, किंतु जिसकी सहायता से नेत्र अपने विषय(लक्ष्य) को देखते हैं, उसी को ब्रहमा(ईश्वर) समझना चाहिए। जिसे कोई कान नहीं सुनता, परंतु जिसकी सहायता से कान सुनने का कार्य करते हैं, उसी को ब्रहमा समझो।

2.यह मन किसकी इच्छा से प्रेरित होकर अपने विषयों में गिरता है। यह प्राण किसके द्वारा प्रयुक्त होने पर चलता है। यह वाणी किसके द्वारा इच्छा किए जाने पर बोलती है। कौन देव या देवी नेत्रों और कानों को प्रेरित करते हैं। यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनके जावाब मन की इच्छाओं में छिपे हैं। जिन्हें एक सात्विक मनुष्य के अलावा कोई दूसरा नहीं खोज सकता है।

3.जो कानों का भी कान, मन का भी मन और वाणी की भी वाणी है, वहीं प्राणों का भी प्राण और आंखों की भी आंखें हैं। इस विचार को जानकरा धैर्यवान पुरुष मरने के बाद मुक्त होकर अमर हो जाते हैं।

4.जिसके विषय में मन, मनन नहीं कर सकता, पर जिसकी सत्ता से मन, मनन करने का सामर्थ्य रखता है, ऐसा कहा जाता है कि उसी को ब्रहमा समझना चाहिए। जिसे विशेष नामयुक्त ईश्वर की लोग उपासना करते हैं, वह ब्रहमा नहीं है।

द्वितीय खंड

1.यदि तुम यह समझते हो कि तुम ईश्वर को अच्छी तरह जानते हो, तो निश्चित ही तुम ब्रहम का अल्प रूप ही जानते हो। इसका जो रूप तुम जानते हो और जो रूप देवताओं में जाना जाता है, वह भी कम है। अत: तुम्हारे लिए ईश्वर को विचार करने योग्य है।

2.सभी इंद्रियां ब्रह्मा की सत्ता से ही कार्य करते हैं इसलिए प्रत्येक इंद्रिय के विषय से उसका ही ज्ञान होता है, इसी से वह जाना जाता है, यही उसका ज्ञान है। इसी ब्रहमज्ञान से अमरता प्राप्त होती है।

3.यदि इसी जन्म में ब्रहम को जान लिया जाए तो, तब तो ठीक है। यदि ऐसा न हो पाए तो यह प्राणी के सर्वाधिक हानि की बात है। कहते है ज्ञानी लोग केवल प्राणी में ब्रहम की सत्ता को देखकर, मृत्यु के पश्चात अमर हो जाते हैं।

तृतीय खंड

1.कहते हैं ब्रहम जब यक्ष रूप में आए तो देवता नहीं पहचान सके कि ये कौन हैं। तब देवराज इंद्र बोले की हे अग्निदेव पता लगाओ को यह यक्ष कौन है। अग्नि ने जब यज्ञ से पूछा कि आप कौन हैं तो यक्ष ने कहा हे अग्नि देव आपके नाम के अनुरूप आप में कौन सी शक्ति है। अग्निदेव बोले कि मैं संपूर्ण पृथ्वी को जला सकता हूं तब यक्ष ने एक तिनका दिया और कहां इसे जलाकर दिखाओ तब अग्नि देव उस तिनके को जलाने में असफल रहे। इसके बाद देवराज इंद्र ने पवन देव को भेजा उन्होंने भी यक्ष से वही प्रश्न किया तब यक्ष बोले कि इस तिनके को उडाओ पवनदेव भी ऐसा करने में जब असफल हुए और जब यक्ष के सामने इंद्र गए तो तब यक्ष अंतर्धान(गायब) हो गए। तब इंद्र ने हिमालय की पुत्री उमा(ब्रहम विद्या) से पूछा कि यह यक्ष कौन है।

उस ब्रहम विद्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह ब्रहम हैं, इसकी विजय से ही तुम महिमामय हुए हो। ऐसा कहते हैं कि तभी इंद्र ने जाना कि वह ब्रहमा थे। इंद्र ने सबसे पहले समीप ब्रहमा का स्पर्श किया इसलिए वह देवों में प्रमुख माने गए और उन्हें स्वर्ग का राजा नियुक्त किया गया।

चतुर्थ खंड

1.मन को गतिमान कहा जाता है। यह ब्रहम इस प्रकार मन से ही बार-बार ब्रहम का स्मरण होता है, तथा निरंतर संकल्प किया जाता है।

2.उपनिषद तप, कर्म, वेद और संपूर्ण वेदांग(व्याकरण, ज्योतिष, छंद आदि) यह सब प्रतिष्ठाहैं तथा सत्य उसका घर है।

3.जो निश्चयपूर्वक उपनिषद को इस प्रकार जानता है। वह अपने पापों को नष्ट करके अनंत और महान स्वर्गलोक में चला जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम ।।
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नम: ।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था।

यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

ऐसे करें व्रत

ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए। भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए , तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दु:खों से मुक्त हो जाता है।

तंत्रिका दोषों को रोकने में मददगार है हेजलनट

हल्का मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। हल्का मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट फिल्बर्ट के रूप में जाना जाता है। हालांकि दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है, लेकिन तुर्की, इटली और अमेरिका में इसका उत्पादन बहुत अधिक होता है। इस नट का रंग पीले से भूरा होता है और आकार में गोलाकार से अंडाकार होता है। मार्बल आकार के इस नट में पोषक तत्वों की विस्तृत श्रृंखला पाई जाती है। यह स्वादिष्ट फल वजन कम करने और दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। आइए हेजलनट के ऐसे की कुछ अदभुत स्वास्थ्य गुणों की जानकारी लेते हैं।

दिल के लिए लाभकारी

हेजलनट असंतृप्त वसा से भरपूर होता है, यह दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। हेजलनट में ओलिक एसिड खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड में अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। नियमित रूप से हेजलनट के सेवन से कोलेस्ट्रॉल को 27 प्रतिशत कम किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि हेजलनट के सेवन से रक्त वाहिकाओं में बाधा और धमनी की दीवारों पर जमा होने वाले खराब कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को कम किया जा सकता है। नियमित रूप से हेजलनट का सेवन करने वाले लोगों में दिल के दौरे के कारण होने वाली मौत का जोखिम 50 प्रतिशत कम होता है। इसके अलावा इसमें दिल को स्वस्थ रखने के लिए मैग्नीशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

फोलेट और विटामिन ई से भरपूर

अधिकांश नट्स के विपरीत, हेजलनट फोलेट का बहुत अच्छा स्रोत हैं। फोलेट गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह मेगालोब्लास्टिक एनीमिया और बच्चों के तंत्रिका दोषों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट विटामिन ई को बहुत अच्छा स्रोत है। विटामिन ई लाल रक्त कोशिकाओं के विघटन को रोकता है और एनीमिया के जोखिम को कम करता है। ब्लड का सही सर्कुलेशन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत रखने, बुखार, सर्दी और अन्य बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है।

मांसपेशियों और हड्डी स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मैग्नीशियम कैल्शियम की मात्रा को शरीर में लाने और बाहर ले जाने के लिए विनियमित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कैल्शियम की उचित मात्रा मांसपेशियों के संकुचन को बढ़ावा और रिलैक्स करने में मदद करती है। यह मांसपेशियों में तनाव, दर्द, ऐंठन, थकान, और ऐंठन से बचाती है। मैग्नीशियम का उच्च स्तर मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट मैंगनीज से भी भरपूर होता है। यह मिनरल हड्डियों के विकास और मजबूती के लिए आवश्यक होता है। हेजलनट में मैगनीशियम स्केलेटल सिस्टम की संरचना और शक्ति के निर्माण के लिए बहुत उपयोगी होता है। यह बोन मिनरल घनत्व को बढ़ाता और ऑस्टियोपोरोसिस से लड़ता है।

कैंसर से बचाव

हेजलनट कैंसर कोशिकाओं के विकास का नेतृत्व करने वाले कारक को खत्म करने के लिए जाना जाता है। यह शरीर में मौजूद दुष्ट कोशिकाओं को शांत करने में मदद करता है। हेजलनट में पाया जाने वाला बीटा-सिटोस्टेरोल स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करता है। कई अध्ययनों के निष्कर्षों के अनुसार, हेजलनट में अल्फा-टोकोड़ेरॉल, एक प्रकार का विटामिन ई ब्लैडर कैंसर के खतरे को लगभग आधा कर देता है। इसके अलावा हेजलनट में मैंगनीज की प्रचुर मात्रा में लंबे समय तक कैंसर से शरीर की रक्षा करती है। मैंगनीज कैंसर एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम का एक घटक है जो कैंसर से रक्षा करने कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया में उत्पादित होता है।

अवसाद को करें इस तरह दूर

अगर आप अवसाद से पीड़ित हैं, तो आपको थकान, लाचारी, और नाउम्मीदी का एहसास हो सकता है। लेकिन यह जानना बेहद जरूरी है कि ये सारी मनोदशाएं अवसाद का हिस्सा हैं और ये सही स्थिति को ठीक ढंग से नहीं दर्शाते हैं। जैसे जैसे आप अपने अवसाद को पहचानने लग जाएंगे और उपचार की शुरूआत कर देंगे, तब नकारात्मक विचार गायब होते चले जाएंगे।

बच्चे की खांसी का कारण निमोनिया तो नहीं?

बारिश और सर्दियों के मौसम के साथ ही मौसम परिवर्तन के दौर में निमोनिया होने की संभावना बढ़ जाती है। बारिश में इस बीमारी के संक्रमण ज्यादा फैलते हैं। ऐसे में थोड़ी एहतियात और डॉक्टर से परामर्श जरूरी हो जाता है। सन के बीज, तिल और शहद के मिश्रण में एक चुटकी नमक डालकर पानी मिला लें। इसके सेवन से पसलियों में आने वाली सूजन कम होगी।

इस तरह करें

टेनिस एल्बो का घरेलू उपचार

टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने के कारण टेनिस एल्बो की समस्या होती है। यहां टेनिस एल्बों के लिए सबसे अच्छे घरेलू उपचारों की जानकारी दी गई हैं। लेकिन इसके अलावा उचित निदान और उपचार के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

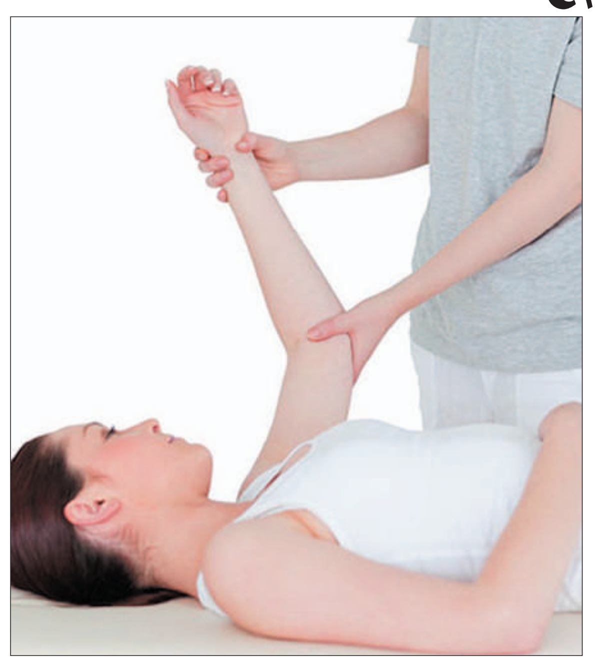

प्राकृतिक उपायों से टेनिस एल्बो के दर्द को दूर किया जा सकता है। यह बीमारी टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर दबाव पड़ने के कारण होने वाले नुकसान से होती है। इसलिए इसे टेनिस एल्बो कहा जाता है। टेनिस एल्बो होने पर कोहनी में दर्द होता है, कभी-कभी यह दर्द असहनीय हो जाता है, संवेदनशीलता के कारण कोहनी और कलाई में सूजन आ सकती है। हाथ उठने में परेशानी होती है, उंगलियां भी इसके कारण प्रभावित हो सकती हैं, कलाई और घुटने के बीच के हिस्से में भी दर्द होता है। टेनिस एल्बो से बचने के किसी रास्ते के बारे में अभी तक जानकारी नहीं है। हालांकि, कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इसे बढ़ने से जरूर रोका जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है।

बर्फ की सिकाई

कोहनी पर बर्फ लगाना दर्द और सूजन को कम करने का सबसे सरल और आसान तरीकों में से एक है। बर्फ इस समस्या की प्रगति को रोकने में भी आपकी मदद करता है। बर्फ की बजाय आप जमे हुए मटर बैग का उपयोग भी कर सकते हैं। एक पतले तौलिये में बर्फ के कुछ टुकड़ों को लपेटें। अपनर कोहनी को तकिये और किसी गद्देदार क्षेत्र में आराम से रखें। फिर प्रभावित जगह पर धीरे से तौलिया को रखें। 10 से 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। दर्द दूर होने तक इस उपाय को दिन में कई बार दोहराये। लेकिन एक बात को हमेशा ध्यान में रखें कि बर्फ को सीधे त्वचा पर न लगाएं।

कंट्रास्ट हाइड्रोथेरेपी यानी ठंडी और गर्म सिकाई

कंट्रास्ट हाइड्रोथेरपी का मतलब है, प्रभावित क्षेत्र में ठंडा और गर्म सेंक करना, कंट्रास्ट हाइड्रोथेरेपी टेनिस एल्बो के लिए एक और बहुत अच्छा उपाय है। गर्म ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने और दर्द को कम करने और ठंडा सेक सूजन को कम करने में मदद करता है। एक पतले तौलिये में गर्म पानी की बोतल लपेटें और दूसरे तौलिये में कुछ बर्फ को लपेटें। फिर लगभग तीन मिनट के लिए प्रभावित अंग पर गर्म सेक करें। अब गर्म सेक को हटाकर एक मिनट के लिए ठंडा सेक को प्रभावित हिस्से पर रखें। इस उपाय को 15 से 20 मिनट के लिए करें। राहत पाने के लिए इस उपाय को दिन में एक बार जरूर करें।

प्राकृतिक दर्द निवारक हल्दी

हल्दी में पाया जाने वाला कुरकुमीन नामक तत्व, एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट और प्राकृतिक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करता है। इसके अलावा, हल्दी एंटीऑक्सीडेंट का समृद्ध स्रोत होने के कारण फ्री रेडिकल्स से लड़ने और उपचार को गति प्रदान करने में मदद करता है। एक कप दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर उसे हल्का सा गर्म लें। फिर इसमें थोड़ी सा शहद मिलाकर कुछ हफ्तों के लिए दिन में दो बार पीएं।

दर्द दूर करें अदरक

अदरक में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण, टेनिस एल्बो के लक्षणों को दूर करने में बहुत मददगार होते हैं। अदरक की जड़ के एक छोटे से टुकड़े को काटकर उसे दो कप पानी में मिलाकर दस मिनट के लिए उबालें। फिर हल्का ठंडा होने पर उसमें शहद मिलाएं। इस मिश्रण को दिन में तीन बार तब तक पीएं जब तक की दर्द दूर न हो जाए।

मसाज के फायदे

कैलेंडुला और एवोकैडो ऑयल से दर्द वाले हिस्से पर मालिश करना भी टेनिस एल्बो का एक और प्रभावी घरेलू उपाय है। कैलेंडुला और एवोकैडो दोनों तरह के तेल सूजन और दर्द से राहत देने में मदद करते हैं। इसके अलावा, मालिश रक्त परिसंचरण में सुधार और दर्द वाली मांसपेशियों को आराम देती है। दर्द के दूर होने तक दिन में दो से तीन बार मालिश करनी चाहिए।

हर्ब यानी सेंट जॉन पौधा

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण सेंट जॉन पौधा टेनिस एल्बों को ठीक करने में आपकी मदद करता है। इसके अलावा यह दर्द से राहत देने के लिए एक एनाल्जेसिक के रूप में काम करता है। दो चम्मच सूखे सेंट जॉन के पौधे को एक कप गर्म पानी में लेकर उबाल लें। फिर इसे 10 मिनट के लिए कवर करके रख दें। थोड़ा सा ठंडा होने पर इसमें शहद मिला लें। दर्द के दूर होने तक इस हर्बल चाय को दिन में दो बार लें। डॉक्टर से दवाएं लेने पर इस हर्ब के इस्तेमाल से बचें।

ठीक होने की प्रक्रिया में तेजी लाए मेथी

मेथी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण यह सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है। और ठीक होने प्रक्रिया को गति प्रदान करता है। एक चम्मच मेथी के बीज को आप गुनगुने पानी को ले सकते हैं। या एक या दो बड़े चम्मच मेथी के बीज के पाउडर में पर्याप्त मात्रा में दूध बनाकर पेस्ट बनाकर प्रभावित अंग पर इस पेस्ट को लगाए। और एक या दो घंटे के लिए छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी इसे इसे धो लें। दर्द के दूर होने तक इस उपाय को दिन में एक बार करें।

गठिया में लाभकारी पोकवीड हर्ब्स

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण: पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें: परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाई बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

महिलाओं के लिए पोकवीड: पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्सि्टशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम (Antabuse), ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों को लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट को बताएं।

इंटेक्स ने होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो का किया विस्तार

पंखे, वॉटर हीटर और कई नए उपकरण बाजार में उतारे

वित्त वर्ष 2025-26 में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कारोबार में 80 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के बाद रणनीतिक विस्तार; स्मॉल डोमेस्टिक अप्लायंसेज श्रेणी में भी बढ़ाई मौजूदगी

भारत के प्रमुख स्वदेशी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांडों में से एक इंटेक्स टेक्नोलॉजीज ने अपने होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा की है। कंपनी का यह विस्तार भारत के तेजी से बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

एयर कूलर्स श्रेणी में अपनी मजबूत मौजूदगी के आधार पर इंटेक्स अब होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए विभिन्न प्रकार के पंखे बाजार में उतार रही है। इनमें डेकोरेटिव फैन, ऊर्जा दक्ष बीएलडीसी पंखे, एग्जॉस्ट फैन तथा टीपीडब्ल्यू यानी टेबल, पेडेस्टल और वॉल फैन शामिल हैं।

इसके साथ ही कंपनी घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग क्षमता वाले स्टोरेज और इंस्टेंट वॉटर हीटर (गीजर) भी पेश कर रही है।

स्मॉल डोमेस्टिक अप्लायंसेज में भी विस्तार

रसोई और रोजमर्रा के उपयोग में आने वाले उपकरणों की श्रेणी में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करते हुए इंटेक्स ने स्मॉल डोमेस्टिक अप्लायंसेज पोर्टफोलियो का भी विस्तार किया है।इसके तहत कंपनी आयरन, मिक्सर ग्राइंडर, जूसर मिक्सर ग्राइंडर, एयर फ्रायर, इलेक्ट्रिक केतली और कुकटॉप जैसे उत्पाद पेश करेगी। कंपनी का कहना है कि इन सभी उत्पादों को डिजाइन, कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को केंद्र में रखकर विकसित किया गया है।

एक ही ब्रांड के तहत घरेलू जरूरतों को पूरा करने की तैयारी

इंटेक्स का यह विस्तार कंपनी की उस रणनीति को दर्शाता है, जिसके तहत वह घरेलू उपकरण कारोबार को व्यापक स्वरूप देना चाहती है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की मौसमी और रोजमर्रा की जरूरतों को एक ही ब्रांड के तहत पूरा करना है।

पूरक उत्पाद श्रेणियों में विस्तार के माध्यम से कंपनी का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भरोसेमंद गुणवत्ता और बेहतर मूल्य वाले उत्पादों की विस्तृत शृंखला उपलब्ध कराना है।

कंपनी का मानना है कि नए उत्पादों के माध्यम से उसे भारतीय घरों में अपनी पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ विभिन्न घरेलू उपकरण श्रेणियों में अपनी बाजार उपस्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी।

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कारोबार में 80 प्रतिशत वृद्धि

यह विस्तार इंटेक्स के कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कारोबार में बनी मजबूत वृद्धि की रफ्तार को आगे बढ़ाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

वित्त वर्ष 2025-26 में स्मार्ट टीवी, एयर कंडीशनर और वॉशिंग मशीनों की मजबूत मांग के चलते कंपनी के कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कारोबार में 80 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई।

कंपनी अब इसी मजबूत वृद्धि को आधार बनाकर घरेलू उपकरणों की नई श्रेणियों में प्रवेश कर रही है।

'बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप व्यापक पोर्टफोलियो तैयार कर रहे'

इंटेक्स टेक्नोलॉजीज के निदेशक केशव बंसल ने कहा, हमारे कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कारोबार में तेज वृद्धि इंटेक्स ब्रांड के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उपभोक्ताओं की बदलती आकांक्षाओं को देखते हुए हमें एक ऐसा व्यापक होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो तैयार करने का अवसर दिखाई देता है, जो किफायती कीमतों पर गुण-वत्ता, विश्वसनीयता और बेहतर मूल्य प्रदान करे। उन्होंने कहा, पंखे, वॉटर हीटर और स्मॉल डोमेस्टिक अप्लायंसेज श्रेणियों में हमारा विस्तार इसी रणनीति का स्वाभाविक अगला कदम है। इससे हम उपभोक्ताओं की घरेलू जरूरतों की कहीं अधिक व्यापक रूप से पूर्ति कर सकेंगे। केशव बंसल ने कहा कि कंपनी को विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह कारोबार इंटेक्स के लिए एक महत्वपूर्ण वृद्धि के प्रमुख आधार के रूप में सामने आएगा और भारत के बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करेगा।

घरेलू उपकरण बाजार में लगातार बढ़ रही मांग

भारत का घरेलू उपकरण बाजार लगातार वृद्धि दर्ज कर रहा है। उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों, आधुनिक जीवनशैली और बेहतर सुविधाओं की बढ़ती मांग के बीच घरेलू उपकरणों की विभिन्न श्रेणियों में कंपनियां अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही हैं।

इंटेक्स का नया विस्तार भी इसी बाजार अवसर को ध्यान में रखकर किया गया रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

रेसिपी

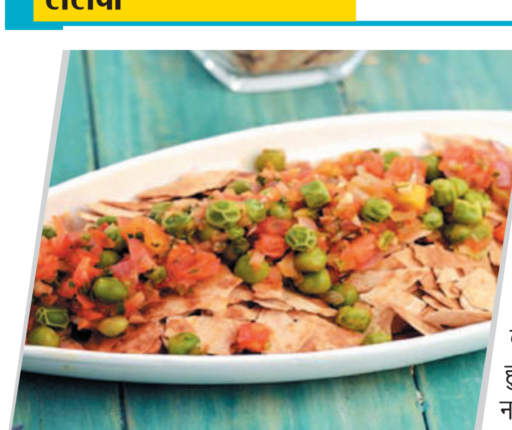

खाखरा चाट

सामग्री

2 कप दरदरे क्रश किए हुए गेहूं से बने खाखरे, 2 स्पून तेल, 1 स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून नींबू का रस

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। टमाटर, हरे मटर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। धनिया और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। परोसने के तुरंत पहले, क्रश किए हुए खाखरा और तैयार मिश्रण को मिलाकर हल्के हाथों मिला लें। तुरंत परोसें।

बाजरा चकली

सामग्री

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप गेहूं का आटा, 1 टी-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून मक्खन (समान्य तापमान पर), 1 टेबल-स्पून दही, तेल , तलने के लिए

विधि

बाजरे का आटे, गेहूं के आटा, लहसुन, कलौंजी, हरी मिर्च का पेस्ट और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मक्खन को आटे के मिश्रण मे मिलाकर उंगलियों से मसलते हुए दरदरा मिश्रण बना लें। दही और थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। मिश्रण को चकली के सांचे में डालकर, न्यूसपेपर या एल्यूमीनियम फॉयल पर गोल-गोल आकार में, अंदर से बाहर की ओर लेते हुए चकली बना लें लगभग 50 मिमी । ऐसा करने से 15 से 17 चकली बनेंगे। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, प्रत्येक चकली को हलके हाथों से चम्मच का प्रयोग कर उठाकर डालें, मध्यम आंच पर उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। ठंडा कर हवा बंद डब्बे में रख कर संचय करें।

संपादकीय

क्यों उबल रही जेन जी?

आजकल चारों तरफ जेन-जी की ऐसी धूम मची है मानो यही एकमात्र राष्ट्रीय मुद्दा और मसला हो! टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे 'गोलमेज सम्मेलन' की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजतन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्ती पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें 'आरंभ, प्रचंड' वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में 'मूक-बधिर' छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या 37-40 करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब 27 करोड़, 25 फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या 2029 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। 2027 में उप्र, गुजरात समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब 22 फीसदी जेन जी हैं। यदि 5 फीसदी वोट ही इधर-उधर हो गए, तो सत्ता के तमाम समीकरण असंतुलित हो जाएंगे। जेन जी के इन तमाम विरोध-प्रदर्शनों में 'कॉकरोच' अनुपस्थित रहे हैं, लेकिन सी-वोटर के एक सर्वेक्षण में 'प्रमुख कॉकरोच' अभिजीत दिपके को 'नेता' के तौर पर 12 फीसदी से अधिक लोगों ने पसंद किया। बेशक सर्वे का सैंपल साइज सीमित हो, लेकिन यह जनमत भी महत्वपूर्ण है, जबकि दिपके का जेन जी में योगदान 'राजनीतिक-सा' रहा है। अभी उन्हें खुद को जेन जी का प्रतिनिधि चेहरा साबित करना है। सर्वे की इस पसंद की थाह और वजह हम नहीं जानते। बहरहाल जेन जी की प्रासंगिकता के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 3036 'नव स्नातकों' को संबोधित किया, उन्हें 'गुरु मंत्र' की तरह उपदेश दिया और जेन जी को ताकत मानते हुए उनमें 'भरोसा' जताया। जेन जी देश की ताकत और भविष्य हैं। वे सवाल भी करें, लेकिन समाधान भी खोजें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रयागराज में अपना 'छात्रों की गूंज' अभियान जारी रखा, लेकिन समझ नहीं आया कि वोट चोरी, नोटबंदी, जीएसटी, अदाणी आदि जेन जी के मसले हैं अथवा शिक्षा-सुधार, व्यवस्था-परिवर्तन, पेपरलीक, भर्तियों की खरीद-फरोख्त जेन जी के बुनियादी सरोकार और उनकी चिंताएं हैं? बहरहाल जेन जी उबल रही है। उसमें आक्रोश, नाराजगी, गुस्सा, उपेक्षा और वंचित होने के भाव हैं, तो उनके भी भयावह और बुनियादी कारण हैं। मसलन-बीते एक दशक के दौरान करीब 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। करीब 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है, जो छात्रों को सभी विषय पढ़ाता है। दुनिया का एक और आश्चर्य...! सरकारी स्कूलों में औसतन 5.1 शिक्षक हैं, जबकि निजी स्कूलों में यह औसत 11.1 है। सरकारी स्कूलों में इतने पद खाली हैं, यदि उन्हें भर लिया जाए, तो बेरोजगारी एकदम नीचे आ जाएगी। करीब 33 लाख छात्र इन एक-अध्यापकीय स्कूलों में पंजीकृत हैं। ऐसे पंजीकरण को ही साक्षरता दर माना जाता रहा है, लिहाजा राष्ट्रीय दर शानदार लगती है। यथार्थ तो बेहद काला और कुरूप है। इन स्कूलों में छात्र पढने जाते हैं अथवा नहीं, इसका कोई डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन एक भयावह तथ्य जरूर है कि देश में करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। देश में 69,673 सरकारी स्कूलों में लडक़ों के लिए शौचालय नहीं हैं और 46,345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधाएं नहीं हैं। लाइब्रेरी से वंचित 55083 स्कूल हैं, जबकि 4.08 लाख सरकारी स्कूलों में कम्प्यूटर की पूरी सुविधाएं नहीं हैं। विडंबना है कि करीब 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाई कर पाते हैं, क्योंकि उनके परिवार गरीब, निम्न दर्जे के हैं, निजी स्कूल के खर्चे वहन करने में असमर्थ हैं। ये जेन जी बनेंगे, तो उन्हें पर्याप्त रोजगार कैसे मिलेगा अथवा वे प्रतियोगी परीक्षाएं कैसे पास करेंगे? ऐसे असंख्य आंकड़े और डाटा हैं।

टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे 'गोलमेज सम्मेलन' की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजतन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्ती पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें 'आरंभ, प्रचंड' वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में 'मूक-बधिर' छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या 37-40 करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब 27 करोड़, 25 फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या 2029 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। 2027 में उप्र, गुजरात समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब 22 फीसदी जेन जी हैं।

कुछ अलग

डमी एडमिशन पर रोक लगाना जरूरी

केन्द्र सरकार ने हाल ही में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन बिल 2026 को संसद से पास करवा दिया, परंतु पेपर्स लीक के अलावा शिक्षा से जुड़े कुछ और अहम मुद्दे हैं जिनमें कोचिंग संस्थान, डमी स्कूल तथा डमी एडमिशन ने हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। वर्तमान स्कूल व्यवस्था को सुधारा जाना इस समय अति आवश्यक है। रैगुलर प्लस वन/प्लस टू की पढ़ाई के साथ ऑनलाइन कोचिंग लेना तो सही है, परंतु डमी एडमिशन लेकर कोचिंग करना स्कूली शिक्षा के उद्देश्य के विपरीत है। कोचिंग संस्थानों ने बच्चों को सिर्फ नीट, जेईई की मानकीकृत परीक्षा पास करने तक ही सीमित कर दिया है। जेईई और नीट के टैस्ट को पास करने के लिए बच्चों को भारी मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है, माता-पिता को कोचिंग के लिए कर्ज उठाना पड़ता है तथा पेपर लीक की घटनाएं भी इसी का हिस्सा हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना रह गया है जबकि विद्यालय के मूल उद्देश्य ज्ञान, संस्कार, व्यक्तित्व और सामाजिक विकास आदि हैं। हर चीज लाभ के लिए ही नहीं होती है, क्योंकि आज लोकतंत्र को मानवता की भी आवश्यकता है। हमारे समाज को अच्छे इंजीनियर और डाक्टर के अलावा देश को दिशा देने वाले भी चाहिएं। यही कारण है कि वर्तमान स्कूली व्यवस्था पर गंभीर नीति निर्धारण की आवश्यकता है। दसवीं के बाद कौनसे विषय/संकाय चुनें, यह बहुत ही कठिन निर्णय होता है क्योंकि यही कैरियर की राह की पहली सीढ़ी होती है। विषय चुनने के लिए बच्चों से लेकर माता-पिता पसोपेश में रहते हैं। अंततः बच्चे माता-पिता के सुझाए अनुसार या अपने शिक्षकों की सलाह पर या फिर दोस्तों की देखादेखी में विषय चुन लेते हैं।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए।

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है।

यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है।

नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है।

देश दुनिया से

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना—दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है। पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार—हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए। आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया।

आप का नज़रिया

धर्मशाला कालेज की एक सदी

किसी शिक्षण संस्थान के सौ वर्ष का इतिहास महज अध्ययन या डिग्रियों का लेखा जोखा नहीं, बल्कि शिक्षा के वातावरण का सतत निर्माण है। इसी संदर्भ में धर्मशाला को शिक्षा का हब बनने का सबब मिला। आजादी से पहले और अंग्रेजों की बस्ती में मशहूर हुए इस कालेज की परिपाटी एक सदी का अभियान है, जिसने अपनी लौ का चमत्कार उत्तर भारत में किया। कई मशहूर हस्तियां फौज की वर्दी, सिनेमा की स्क्रीन, शिक्षा के आकाश, मीडिया के मयार, प्रशासन की डगर, व्यापार के सफर, उद्योग के मैदान पर और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठा में उदाहरण बनीं, तो कालेज हमेशा मेहनत, जिज्ञासा और प्रतिस्पर्धा के शिविर की तरह रहा। परिसर की अमानत में कई दौर निकले और इन्हीं से निकली पीढियों ने कई कारवां खड़े किए। कई खिलाड़ी कालेज के मैदान से राष्ट्र के रिकार्ड तक पहुंचे तो परिसर में बजी धुनें बालीवुड का संगीत बनीं। यह कालेज जीवन की एक परंपरा और जीने की एक प्रेरणा बना, तो यहां के महान प्रिंसीपल शिक्षा जगत के अध्येता साबित हुए। जाहिर तौर पर यह सामान्य कालेज न था, न है और न रहेगा। इसकी प्रयोगशालाएं गवाह हैं कि छात्र यहां से निकल कर चर्चित डाक्टर-प्रतिष्ठित इंजीनियर बने। यहां कैंपस की चर्चाओं में शरीक होकर कई छात्र, राजनीति में अलंकृत हुए तो उनके साथ सत्ता के अध्याय जुड़ते रहे। ऐसे में कालेज का सौ साला समारोह, संस्थान की गरिमा में कुछ पल बढ़ाने, इसके ढांचे में अगली सदी का संकल्प दिखाने और शैक्षणिक तौर पर इसे आगे बढ़ाने की प्रतिज्ञा जैसा है। विडंबना यह है कि समारोह का सारा तापमान ओल्ड स्टुडेंट एसोसिएशन के कंधे पर है, जबकि विभागीय तौर पर सरकार को इसे शिक्षा तथा छात्र समुदाय की दृष्टि से नया आयाम देने का वचन देना चाहिए। सरकार आसानी से कालेज को स्टेट कालेज का रैंक देते हुए यहां कुछ नए विषयों के राज्य स्तरीय अध्ययन का श्रेष्ठ केंद्र बना सकती है। एक खेल विंग बना कर स्पोट्र्स अथारिटी के हॉस्टल के साथ नत्थी कर सकती है। यहां तिब्बती व डिफेंस स्टडी के सेंटर बना कर परिसर को डीम्ड यूनिवर्सिटी या कलस्टर यूनिवर्सिटी का ताज पहना सकती है। विडंबना यह है कि स्मार्ट सिटी परियोजना शहर की परिक्रमा में यूं तो सरकारी इमारतों के प्रवेश द्वार चमकाती रही, लेकिन सौ साल के ऐतिहासिक कालेज में कोई भी योगदान करने से चूक गई। यहां धर्मशाला के प्रति सरकारों के रवैये का वृत्तांत भी मिलता है। काफी वर्ष पहले कालेज को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला हुआ, लेकिन इसकी कतरब्योंत हो गई। आश्चर्य यह कि वीरभद्र सिंह सरकार के प्रयत्नों से केंद्रीय विश्वविद्यालय यहां पंजीकृत हुआ, लेकिन जदरांगल परिसर आज भी अनाथ साबित हो रहा है। एक साथ मंडी और धर्मशाला कालेज कलस्टर विश्वविद्यालय अनुमोदित हुए, लेकिन यहां की फाइल गुम हो गई, जबकि मंडी में विश्वविद्यालय बन गया। बहरहाल सौ साल के समारोह की तैयारियां करते हुए ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन काफी सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन इसे राज्य स्तरीय पहचान देने के लिए हिमाचल सरकार को आगे आना चाहिए।

आजादी से पहले और अंग्रेजों की बस्ती में मशहूर हुए इस कालेज की परिपाटी एक सदी का अभियान है, जिसने अपनी लौ का चमत्कार उत्तर भारत में किया। कई मशहूर हस्तियां फौज की वर्दी, सिनेमा की स्क्रीन, शिक्षा के आकाश, मीडिया के मयार, प्रशासन की डगर, व्यापार के सफर, उद्योग के मैदान पर और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठा में उदाहरण बनीं, तो कालेज हमेशा मेहनत, जिज्ञासा और प्रतिस्पर्धा के शिविर की तरह रहा। परिसर की अमानत में कई दौर निकले और इन्हीं से निकली पीढ़ियों ने कई कारवां खड़े किए। कई खिलाड़ी कालेज के मैदान से राष्ट्र के रिकार्ड तक पहुंचे तो परिसर में बजी धुनें बालीवुड का संगीत बनीं। यह कालेज जीवन की एक परंपरा और जीने की एक प्रेरणा बना, तो यहां के महान प्रिंसीपल शिक्षा जगत के अध्येता साबित हुए। जाहिर तौर पर यह सामान्य कालेज न था, न है और न रहेगा। इसकी प्रयोगशालाएं गवाह हैं कि छात्र यहां से निकल कर चर्चित डाक्टर-प्रतिष्ठित इंजीनियर बने। यहां कैंपस की चर्चाओं में शरीक होकर कई छात्र, राजनीति में अलंकृत हुए तो उनके साथ सत्ता के अध्याय जुड़ते रहे। ऐसे में कालेज का सौ साला समारोह, संस्थान की गरिमा में कुछ पल बढ़ाने, इसके ढांचे में अगली सदी का संकल्प दिखाने और शैक्षणिक तौर पर इसे आगे बढ़ाने की प्रतिज्ञा जैसा है।

दृष्टि कोण

महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौतियां

हाल ही में 5 अगस्त को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में कुछ वृद्धि के संकेत हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढने के संकेत नहीं हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट (वह ब्याज दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं) को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है। इससे होम, ऑटो और अन्य फ्लोटिंग रेट वाले लोन की ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। निःसंदेह इस समय पश्चिम एशिया संकट और अमरीकी प्रशासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर चौतरफा दबाव देखने को मिल रहा है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, माल ढुलाई संकट और व्यापारिक बाधाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में प्रस्तुत ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते जुलाई 2026 में भारत की आर्थिक गतिविधियां पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के अनुसार, यद्यपि भारत की आंतरिक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक जोखिम और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति

अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध के चलते आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे उर्वरक और कृषि से जुड़ी वस्तुओं के आयात में लागत बढ़ी है। इससे ग्रामीण आय और कृषि विकास दर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ऊर्जा गलियारों में जारी गतिरोध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और रुपए पर दबाव बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस समय अमरीका से भी भारत के लिए तीन परिदृश्य नई चुनौतियों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमरीकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमरीका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमरीका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है। यह चिंताजनक है कि अमरीकी सीनेट में 25 जुलाई को पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमरीका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 100000 डॉलर (लगभग 85.95 लाख रुपए) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है।

टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर संशय बरकरार सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रही बीसीसीआई

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के इसी माह के अंत में प्रस्तावित बांग्लादेश दौरे पर संशय बना हुआ है। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी तक इस दौरे की पुष्टि नहीं कर पाया है। बोर्ड इस मामले में केंद्र सरकार से अनुमति का इंतजार कर रहा है क्योंकिं हाल के दिनों में दोनो देशों के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए हालात पहले जैसे नहीं रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान हालातों में वे अपने स्तर पर इस दौरे को लेकर अंतिम फैसला नहीं कर सकते हैं।

इसी कारण बोर्ड जल्द ही भारत सरकार से इस मामले में औपचारिक अनुमति मांगेगा। इसी के देखते हुए सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही दौरे को लेकर आगे की योजना तय की जाएगी। दूसरी ओर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि वह सीरीज की मेजबानी को लेकर बीसीसीआई के साथ संपर्क में बना हुआ है। बीसीबी को उम्मीद है कि जल्द ही दौरे को लेकर स्थिति अंतिम फैसला आ जाएगा।

गौरतलब है कि बीसीबी ने इस दौरे के लिए 29 अगस्त से 15 सितंबर तक का विंडो रखा है। इसमें तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत ही एकदिवसीय मैच 1, 3 और 6 सितंबर को जबकि टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को रखे गये हैं। भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने की उम्मीद है, हालांकि यह पूरा कार्यक्रम फिलहाल संभावित ही है और भारत सरकार की अनुमति मिलने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

इस दौरे पर अनिश्चितता की मुख्य वजह पिछले कुछ समय से दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में आई खटास है। इस साल की शुरुआत में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की टीम से रिलीज करने का निर्देश दिए जाने के बाद मामला और गंभीर हो गया था। मुस्तफिजुर को आईपीएल 2025 के आक्शन में केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने उस समय इस फैसले के पीछे दोनों देशों के बीच हालिया घटनाक्रम का हवाला दिया था।

इस विवाद के बाद बांग्लादेश में भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसके कुछ ही समय बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में आयोजित हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग न लेने का फैसला किया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम को विश्वकप जिताने वाले कर्स्टन, अब श्रीलंकाई टीम को जीत दिलाने बना रहे रणनीति

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम की 2011 एकदिवसीय विश्वकप जीत के दौरान मुख्य कोच रहे गैरी कर्स्टन

अब श्रीलंकाई टीम के कोच हैं। कर्स्टन भारत और श्रीलंकाई एकादश के अभ्यास मैच के दौरान वह अंतिम दिन बाउंड्री लाइन के करीब घूमते दिखे। कर्स्टन श्रीलंकाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देख रहे थे। कर्स्टन की इस दौरान भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार से मुलाकात हुई। कर्स्टन इन दोनो खिलाड़ियों को आईपीएल से ही जानते हैं। कर्स्टन जहां साल 2022 से 2024 तक गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच रहे थे। वहीं ये दोनो नेट गेंदबाज थे। भारतीय टीम के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु से भी कर्स्टन मिले। गौरतलब है कि कर्स्टन भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कोचों में से एक हैं। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। इसमें साल 2011 का ऐतिहासिक विश्व कप भी शामिल था। तब जिस भारतीय टीम की कमजोरियों को दूर करना कभी उनकी जिम्मेदारी थी, अब उसी के खिलाफ उन्हें श्रीलंकाई कोच– के तौर पर रणनीति बनानी हैं। अभ्यास मैच के आखिरी दिन उन्हें भारत के कई अहम खिलाड़ियों को करीब से देखने और समझने का मौका मिला, जो आगामी सीरीज के लिए उनकी रणनीति में अहम साबित होगा।

टीम प्रबंधन और सीओई में मतभेद नहीं : लक्ष्मण

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कई प्रमुख खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के बाद बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के कामकाज पर उठते सवालों के बीच ही इसके प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है टीम प्रबंधन और सीओई के बीच किसी भी प्रकर के मतभेद नहीं हैं। लक्ष्मण ने कहा कि सीओई की भूमिका, खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया, स्पोर्ट्स साइंस हेड के खाली पद और फिटनेस मॉनिटरिंग के लिए शुरू किए गए नए ब्रोंको टेस्ट को लेकर है। साथ ही कहा कि सीओई की भूमिका केवल चोटिल खिलाड़ियों का इलाज या उनका पुनर्वास (रीहैब) कराना ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को बेहतर खिलाड़ी उपलब्ध कराना है।जिससे की खेल के किसी भी स्तर पर टीम के संसाधनों और नई प्रतिभाओं की कमी नहीं पड़े। उनका कहना था कि सीओई एक भारतीय क्रिकेट के भविष्य को बेहतर करने का प्रयास कर रहा है। लक्ष्मण ने किसी भी तरह के विवाद या मतभेद की खबरों को गलत बताते हुए कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले भारतीय टीम प्रबंधन, चयन समिति और सीओई के बीच अच्छा तालमेलहै। उन्होंने कहा, कोई भी किसी पर आरोप नहीं लगा रहा है। सीओई, टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ आपस में मिलकर काम कर रहे हैं और सभी का ध्यान समस्या के मूल कारणों का पता लगाकर उन्हें दूर करना है। लक्ष्मण ने कहा कि खिलाड़ियों की फिटनेस रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया के तहत खिलाड़ी के नाम के साथ लगा स्टार यह दिखात है कि उसका चयन फिट होने की शर्त पर किया गया है। यदि किसी खिलाड़ी की रिकवरी धीमी होती है, तो इसकी सीधी और तत्काल जानकारी चयनकर्ताओं और मुख्य कोच को दी जाती है, ताकि वे सही फैसला ले सकें।

राहुल से बल्लेबाजी टिप्स लेकर सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को दिलायी जीत

कोलंबो। भारतीय टीम ने यहां श्रीलंकाई एकादश के खिलाफ हुए अभ्यास मैच को छह विकेट से जीत लिया। इस मैच में अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे जो बल्लेबाजी कर रह मोहम्मद सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर बना लिए। सिराज को इस प्रकार छक्के लगाते देख सभी हैरान हो गये। सिराज की अच्छी बल्लेबाजी के पीछे बल्लेबाज केएल राहुल की मुख्य भूमिका रही। सिराज को एक दिन पहले ही के एल राहुल के साथ हुआ बल्लेबाजी अभ्यास करते देखा गया। इस दैरान राहुल ने उन्हें जरुरी टिप्स दिये। राहुल ने सिराज जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज को कुछ अहम बल्लेबाजी टिप्स दिए जिसका लाभ उन्हें मिला। राहुल ने जो बातें सिराज को बतायीं उससे वह लाभ उठाने में सफल रहे। सिराज ने कठिन हालातों में रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

एकदिवसीय में एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है गिब्स सहित इन बल्लेबाजों के नाम

मुम्बई

दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे हर्शल गिब्स सहित कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड बनाने के साथ ही मैच का रुख भी बदल दिया। इस दौरान इनके सामने विरोधी टीमों के गेंदबाज बेबस दिखे।

हर्शल गिब्स

इस सूची में सबसे पहले गिब्स का नाम आता है। साल 2007 के एकदिवसीय विश्व कप में गिब्स ने सेंट किट्स के मैदान पर नीदरलैंड्स के खिलाफ एक ऐतिहासिक पारी खेलकर नया रिकार्ड बनाय। ऐसा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले कभी नहीं हुआ था। लेग स्पिनर डैन वैन बंज के खिलाफ गिब्स ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगा दिए और एकदिवसीयइतिहास में एक ओवर में 36 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। वैन इस दौरान गिब्स के सामने असहाय दिखे। यह ओवर विश्व कप इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया।

जसकरन मल्होत्रा

वहीं साल 2021 में अमेरिकी बल्लेबाज जसकरन मल्होत्रा ने पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया। जसकरन ने पीएनजी के गेंदबाज गौडी टोका की सभी छह गेंदों पर छक्के जड़े और गिब्स की तरह एक ओवर में 36 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। जसकरन ने इस प्रकार दिखाया कि एसोसिएट देशों के क्रिकेटर भी किसी मामले में पीछे नहीं हैं।

थिसारा परेरा

श्रीलंका के आलराउंडर थिसारा परेरा भी एक धमाकेदार बल्लेबाज रहे हैं। साल 2013 में पालेकेले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने रोबिन पीटरसन के एक ओवर में 35 रन बना दिये। परेरा ने ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया। जिसके बाद एक वाइड और लगातार तीन छक्के मारे। पांचवीं गेंद पर एक चौका और अंतिम गेंद पर फिर छक्का लगाकर परेरा ने कुल 35 रन बटोरे, इस प्रकार ये एकदिवसीय इतिहास का दूसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

एबी डिविलियर्स

दक्ष्रिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स भी एक आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। साल 2015 विश्व कप के दौरान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर के खिलाफ डिविलियर्स ने चौकों–छक्कों की बौछार कर दी। डिविलियर्स ने ओवर की शुरुआत चौके से की, जिसके बाद अगली गेंद नो–बाल पर छक्का, फिर दो रन, फिर एक और नो–बाल पर चौका। इसके बाद लगातार दो चौके, दो रन और अंतिम गेंद पर एक छक्का। इस प्रकार इस ओवर में उन्होंने 34 रन बटोरे।

जेम्स नीशम

न्यूजीलैंड के माउंट माउंगानुई मैदान पर साल 2018–19 में न्यूजीलैंड के आलराउंडर जेम्स नीशम ने श्रीलंका के थिसारा परेरा के खिलाफ जमकर शाट खेले। जिस परेरा ने कभी बल्ले से 35 रन बटोरे थे, इस बार वही नीशम के हाथों पिट रहे थे। नीशम ने ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार छक्के लगाकर स्टेडियम में सनसनी फैला दी।

शमी फिट है तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ले जाना चाहिये : जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि अगर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट है तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। शमी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की तेज और उछाल भरी पिचों पर शमी काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। शमी ने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रह हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में वापसी का अवसर नहीं मिल पा रहा रहा है। शमी ने टीम इंडिया के लिए किसी भी प्रारुप में एक साल से नहीं खेला है। इस दौरान हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए और अपनी फिटनेस को भी साबित किया है पर टीम मैनेजमेंट उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। जिस प्रकार से टीम मैनेजमेंट आगामी बड़े टूर्नामेंट के लिए युवा तेज गेंदबाजों को अवसर दे रहा है उसका इस अनुभवी तेज गेंदबाज की वापसी कठिन नजर आती है हालांकि कई पूर्व क्रिकेटरों ने शमी की वापसी का समर्थन किया है। वहीं इसी को लेकर जहीर ने कहा, जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे निश्चित रूप से टीम की योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए, शमी को लेकर अभी ऐसा नहीं नहीं दिख रहा है। शमी को विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि टीम प्रबंधन इस बारे में क्या सोच रहा है। यह फैसला हेड कोच, चयनकर्ता और कप्तान ही करेंगे पर मेरी राय में अगर शमी फिट और उपलब्ध हैं तो भारत को उनके जैसे अनुभवी गेंदबाज को दक्षिण अफ्रीका ले जाना चाहिए।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप: भारत 27वें स्थान पर, अमेरिका पदक तालिका में शीर्ष पर

ओरेगन

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में भारत तीन पदकों के साथ पदक तालिका में 27वें स्थान पर रहा। भारत अंतिम दिन कोई पदक नहीं जीत सका और उसका अभियान दो रजत तथा एक कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ।

भारत के लिए भाला फेंक में आशीष यादव ने रजत पदक जीता। इसके बाद बसंत कुमार मेघवाल ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक हासिल किया, जबकि शाहनवाज खान ने पुरुषों की लंबी कूद में कांस्य पदक जीतकर भारत को तीसरा पदक दिलाया।

बसंत कुमार मेघवाल का रजत पदक विश्व अंडर–20 चैंपियनशिप की पुरुषों की ऊंची कूद में भारत का पहला पदक था।

वहीं, शाहनवाज पुरुषों की लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने।

अमेरिका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अमेरिका ने कुल 18 पदक जीते, जिसमें 12 स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य शामिल हैं।

केन्या 11 पदकों के साथ दूसरे और इटली पांच पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

विश्व एथलेटिक्स अंडर–20 चैंपियनशिप 2026 पदक तालिका की स्थिति कुछ इस प्रकार रही...

अमेरिका 12 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 18 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

केन्या 4 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित 11 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

इटली ने 3 स्वर्ण और 2 कांस्य सहित पांच पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

जमैका 2 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य सहित आठ पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।

आस्ट्रेलिया और इथियोपिया ने छह–छह पदक जीते और संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे।

फ्रांस छह पदकों के साथ सातवें, चीन पांच पदकों के साथ आठवें और चेकिया चार पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा। भारत दो रजत और एक कांस्य सहित कुल तीन पदकों के साथ 27वें स्थान पर रहा।

वैभव के खिलाफ अगर गेंदबाजी का अवसर मिला तो अपनी रणनीति नहीं बदलूंगा : ब्रेट ली

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि भारतीय टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आक्रामक अंदाज में खेलते हैं पर इसके बाद भी अगर अन्हें कभी वैभव को गेंदबाजी का अवसर मिला तो अपनी रणनीति नहीं बदलेंगे। इस तेज गेंदबाज का कहना है कि वैभव छक्का लगा देगा ये सोचकर वह अपनी गेंदबाजी में कोई बदलाव नहीं करेंगे। ली अपनी धारदार रफ्तार से बल्लेबाजों को परेशानी में डालने के लिए जाने जाते हैं। उनके बयान से उनकी प्रतिस्पर्धी भावना और हर बल्लेबाज को चुनौती देने की इच्छा सामने आती है। गौरतलब है कि वैभव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी बल्लेबाजी से दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ बड़े शाट लगाये हैं। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे विश्व स्तरीय और अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ भी आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए लंबे छक्के लगाये हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हालांकि अब तक वह प्रभावित नहीं कर पाये है। पिछले महीने इंग्लैंड में अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू पर, वह तीन मैचों में संघर्ष करते दिखे और खास तौर पर पिच–अप गेंदों के खिलाफ उन्हें परेशानी हुई।

डीपीएल : सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

सेंट्रल दिल्ली के बल्लेबाज युगल सैनी ने खेली 91 रन की तूफानी पारी

नई दिल्ली

युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की।

टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को शुरुआती ओवर में ही झटका लगा और कप्तान यश ढुल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद युगल सैनी ने पारी को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने 45 गेंदों में नौ चौकों और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से 91 रन की शानदार पारी खेली।

सैनी ने केशव डाबास के साथ चौथे विकेट के लिए 96 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डाबास ने 27 गेंदों में 39 रन बनाए। इसके बाद सैनी ने वंश बेदी के साथ भी 48 रन की तेज साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। वंश बेदी 13 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से अंशुमान हुड्डा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में धैर्य बनाए रखा और 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर चार विकेट से रोमांचक जीत दर्ज कर ली।

कुलदीप को लेकर बोले रहाणे, लगातर अंदर बाहर होने से प्रभावित होती है लय

मुम्बई

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि लय टूटने से खिलाड़ियों को वापसी के दौरान परेशानी होती हे। रहाणे ने ये बात युवा स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर कही है। रहाणे के अनुसार कुलदीप को टीम में जिस प्रकार से अंदर–बाहर किया जा रहा है उससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है।

रहाणे ने कहा कि अंतिम ग्यारह में अगर किसी खिलाड़ी को बार–बार अंदर–बाहर किया जाता है तो लय खराब होने के साथ ही उसका मनोबल भी कम होता है। –रहाणे ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि कुलदीप के श्रीलंका के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है और ये पूरी संभावना है कि वह उन्हें , भारतीय स्पिन चौकड़ी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वहीं इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे में जगह नहीं मिली थी।

रहाणे ने कहा, मुझे लगता है कि कुलदीप ने पिछले चार–पांच सालों में अपने खेल में काफी सुधार किया है। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और विविधता पर काम किया है। अंतिम ग्यारह में बार–बार अंदर–बाहर होने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह हालांकि कठिन होता है, क्योंकि क्रिकेट लय का खेल है, चाहे आप बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी। रहाणे ने कुलदीप की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें एक बेहतरीन स्पिनर और मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया।

गौरतलब है कि कुलदीप ने साल 2017 में धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। रहाणे ने उसी डेब्यू मैच को याद करते हुए कहा, कुलदीप एक बेहतरीन स्पिनर हैं। इसीलिए मैंने धर्मशाला में उन पर भरोसा जताया था। मुझे पता था कि वो विकेट लेने में माहिर हैं। हालांकि उस समय वो अनुभवी नहीं थे, लेकिन मुझे विश्वास था कि उन्हें उस स्थिति में उतारना फायदेमंद होगा। गौरतलब है कि अपने लगभग नौ साल के करियर में, कुलदीप केवल 18 टेस्ट मैच ही खेल पाए हैं, जिनमें उनके नाम 79 विकेट हैं। भारतीय टीम में उनका चयन अनियमित रहा है, जिससे उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं, और यही उनके करियर में उतार–चढ़ाव की मुख्य वजह रही है।

रहाणे ने कहा कि खिलाड़ियों को लगातार समर्थन देना बेहद जरुरी है, खासकर वे जो मैच जिताने की क्षमता रखते हों। उन्होंने आगे कहा, एक टेस्ट खेलने के बाद अगले चार–पांच टेस्ट में बेंच पर बैठना आसान नहीं होता। लय बहुत जरूरी है, खासकर गेंदबाजों के लिए। रहाणे ने कुलदीप के प्रदर्शन में सुधार और उनकी बढ़ी हुई आत्मविश्वास पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, हर दिन गेंद आपके हाथ से एक ही तरह से नहीं निकलती।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में काव्य कौमुदी संस्था का अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में काव्य कौमुदी संस्था की ओर से रविवार, 9 अगस्त 2026 को दो चरणों में अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। जूम मंच पर आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के 70 से अधिक कवियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता करते हुए अपनी काव्य प्रतिभा प्रस्तुत की।

काव्य कौमुदी ग्रुप की अध्यक्ष डॉ. कुमुद बाला ने बताया कि देश-विदेश से जुड़े सभी कवियों ने अपने-अपने देशों के समय क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस सम्मेलन में 70 से अधिक कवियों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

अमेरिका से मुख्य सलाहकार एवं हिंदी-भोजपुरी की बहुभाषीय कवयित्री मीना चौहान ने कहा कि विश्व की सभी भाषाओं का सम्मान करना बेहद जरूरी है। भाषाएं मनुष्य की अभिव्यक्ति को समृद्ध करने के साथ-साथ कविता को भी नई ऊंचाई प्रदान करती हैं।

काव्य कौमुदी की सांस्कृतिक प्रमुख तथा हिंदी, अंग्रेजी और बांग्ला की बहुभाषीय कवयित्री मऊ मल्लिक दे, हैदराबाद ने कहा कि विश्व की सभी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन भाषाओं को सुरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

कवि सम्मेलन के प्रथम चरण के मुख्य अतिथि कश्मीर के बहुभाषीय कवि अली शायदा रहे। वे हिंदी, कश्मीरी, उर्दू और अंग्रेजी चारों भाषाओं के विद्वान हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कोलकाता की जानी-मानी हिंदी, अंग्रेजी और बंगाली की बहुभाषीय कवयित्री डॉ. निशि पुलुगारथा तथा बेंगलुरु के हिंदी, मलयालम और अंग्रेजी के बहुभाषीय विद्वान राजीव मूठेदथ उपस्थित रहे।

द्वितीय चरण की मुख्य अतिथि कोलकाता की हिंदी, अंग्रेजी और बंगाली की बहुभाषीय कवयित्री सोमदत्ता मित्रा रहीं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रह्मपुर, ओडिशा से हिंदी, अंग्रेजी और उड़िया की बहुभाषीय कवयित्री सबिता साहू उपस्थित रहीं।

सम्मेलन के दोनों चरणों का शुभारंभ कर्नाटक संगीत के जाने-माने कलाकार उदय श्री, हैदराबाद तथा शालिनी नंदकेयोल्यार द्वारा प्रस्तुत भजनों से हुआ। भजनों की मधुर प्रस्तुति ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण प्रदान किया।

अंतरराष्ट्रीय बहुभाषीय कवि सम्मेलन का कुशल संचालन काव्य कौमुदी इंटरनेशनल मल्टीलिंगुअल पोएट्स मीट की अध्यक्ष एवं बहुभाषीय कवयित्री डॉ. कुमुद बाला ने किया।

दोनों चरणों में देश-विदेश से जुड़े कवियों ने अलग-अलग भाषाओं में अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर भारतीय भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता का सुंदर परिचय दिया।

कार्यक्रम के दोनों सत्रों में धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः सुदीप्ता मिश्रा, जगन्नाथ पुरी, ओडिशा तथा हैदराबाद की मऊ मल्लिक दे ने किया।

आयोजकों के अनुसार, दोनों सत्रों में 70 से अधिक कवियों की सहभागिता ने सम्मेलन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल और यादगार बना दिया। आयोजन के माध्यम से विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को एक साझा मंच पर लाने के साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश भी दिया गयप्रि

मसाप तेलंगाना का दरवल कार्यक्रम 16 को

हैदराबाद में महकेगा सई परांजपे के साहित्य का गुलदस्ता

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मराठी भाषा और साहित्य को समर्पित ''मराठी साहित्य परिषद (मसाप), तेलंगाना के तत्वावधान में किंग कोठी स्थित भारतीय विद्या भवन में रविवार, 16 अगस्त को शाम 5 बजे से विशेष सांस्कृतिक संध्या दरवल (महक) नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मसाप की अध्यक्षा डॉ. विद्या

देवधर व सचिव डॉ. शैलजा जोशी ने यहां जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में उक्त जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध लेखिका, नाटककार और फिल्मकार सई परांजपे के विविध साहित्यिक रचनाओं का गुलदस्ता पेश किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में सई परांजपे द्वारा लिखे गए नाटक, सिनेमा, बाल नाटक, कथा, पटकथा, लेख और कविता जैसी विविध विधाओं में से चुने हुए अंशों का खूबसूरत अंदाज में अभिवाचन किया जाएगा।

महेश्वरम के 17 गांवों में बोनालु उत्सव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

महेश्वरम, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानीय पुलिस की निगरानी और सामुदायिक समन्वय के सहयोग से महेश्वरम पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत आने वाले 17 गांवों में बोनालू उत्सव का आयोजन सफलता और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।स्थानीय पुलिस ने पुष्टि की है कि सभी 17 ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक कार्यक्रम, जुलूस और पारंपरिक अनुष्ठान/भेंट बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो गए।

हजारों स्थानीय निवासियों ने इसमें भाग लिया, पारंपरिक 'बोनम' अर्पित किए और क्षेत्रीय उत्सवों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

दम्माईगुड़ा में पोचम्मा तल्ली को भक्तिभाव से अर्पित किया गया बोनम

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आषाढ़ मास के अंतिम रविवार के अवसर पर दम्मायिगुड़ा की अय्यप्पा कॉलोनी के श्रद्धालुओं ने मराठी नगर स्थित पोचम्मा तल्लि मंदिर में देवी को श्रद्धापूर्वक बोनम अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर तेलंगाना की प्राचीन संस्कृति, धार्मिक आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भावनात्मक एवं प्रेरणादायक प्रयास भी देखने को मिला। माता-पिता वाणिश्री और रवि ने अपने परिजनों एवं रिश्तेदारों के साथ अपनी छोटी बेटी को पहली बार बोनम उठाकर धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

माता-पिता के इस प्रयास के माध्यम से बच्ची को तेलंगाना की पारंपरिक बोनम परंपरा तथा इसके सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराया गया। परिवार का मानना है कि बचपन से ही बच्चों को अपनी संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़ना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों और विरासत से जुड़ी रहें।

धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से देवी की पूजा-अर्चना की और परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर दम्मायिगुड़ा के निवासियों की गहरी आस्था, भक्ति, सामुदायिक भावना और एकजुटता भी देखने को मिली।

आयोजन ने यह संदेश भी दिया कि हमारी सदियों पुरानी सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का संरक्षण केवल बुजुर्गों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि माता-पिता की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि नई पीढ़ी को बचपन से ही अपनी संस्कृति, आस्था और परंपराओं से जोड़ा जाए तो हमारी समृद्ध विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाई जा सकती है।

श्री जैन दिवाकर संघ हैदराबाद के सदस्यों ने संतों के दर्शन-वंदन का लिया लाभ

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन दिवाकर संघ हैदराबाद के सदस्यों ने नासिक के सामनगांव में विराजित जैन दिवाकरीय प्रवर्तिनी डॉक्टर चंदनाजी म. सा. एवं मां सती अक्षय ज्योति आदि ठाणा तथा पुणे में विराजित राजस्थान वीरांगना मां सतीश्री जयश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन का लाभ लिया।

इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने साध्वीवृंद के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा धर्मलाभ लिया। दर्शन-वंदन के दौरान संघ के सदस्यों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धाभाव देखने को मिला।

इस अवसर पर श्री जैन दिवाकर संघ हैदराबाद के अध्यक्ष मदनलाल संचेती, महामंत्री अशोक बाबेल, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार तातेड, राजेश टोडरवाल, विनोद श्रीश्रीमाल, सुरेश भंसाली, महावीर कोठारी, ध्रुव तातेड, प्रिया तातेड, चंचल कोठारी, संगीता श्रीश्रीमाल, अनीता टोडरवाल, सुनीता भंसाली एवं वंशिका टोडरवाल सहित संघ के अन्य सदस्यों ने दर्शन-वंदन का लाभ लिया।

संघ के सदस्यों ने साध्वीवृंद से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए धर्म, आध्यात्मिक साधना एवं समाज की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मेडचल गंडिमैसम्मा स्थित गेहलोत निवास स्थान पर महिला भजन मंडली ने भजन कीर्तन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर रेखा, गीता, भोडकि, नेता, गणकी, पिंकी, सुशील, भंवरी, ममता, कुकी बाई, ज्योती, भावना, ललिता, पुष्पा, सुमन, इंदिरा, सीता, राधा, सीमा सहित समस्त महिला भजन मंडली और अन्य उपस्थित थे।

ट्रैंक्विल सोसाइटी के सैनी निवास स्थान पर पवित्र श्रावण मास के शुभ अवसर पर इंद्रपाल सैनी के निवास पर श्रद्धा और भक्ति से भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया। भइस अवसर पर विकास शर्मा, महेश सैनी, सलोचना, शीला, गौरव, सौरभ, खुशबू, रीयान्श, रिया, अरीयान सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विपक्षी...

यदि सरकार इस सत्र में विधेयक के लिए पर्याप्त राजनीतिक सहमति जुटा लेती है तो यह उसके लिए बड़ी संसदीय उपलब्धि होगी। लेकिन इससे भी बड़ा सवाल यह होगा कि क्या ऐसी सहमति बनाई जा सकेगी, जो उत्तर-दक्षिण प्रतिनिधित्व को लेकर उठ रहे विवाद को शांत कर सके?

विपक्ष के सामने बदले समीकरण का जवाब देने की चुनौती

फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि मोदी सरकार ने परिसीमन को केवल सदन की सीटों की संख्या का सवाल न रहने देकर उसे व्यापक राजनीतिक बातचीत का केंद्र बना दिया है। शरद पवार गुट के साथ संवाद और द्रमुक की चिंताओं को साधने की कोशिश इसी बड़े राजनीतिक समीकरण के संकेत माने जा रहे हैं। यदि भाजपा इस गणित को साधने में सफल होती है तो विपक्ष के सामने चुनौती केवल एक विधेयक का विरोध करने की नहीं होगी, बल्कि बदलते राजनीतिक और चुनावी समीकरण का जवाब देने की भी होगी। बहरहाल, फिलहाल सबसे बड़ा संदेश यही है कि मोदी सरकार ने अपने सामने खड़े राजनीतिक संकटों से निकलने की रणनीति में संवाद को महत्वपूर्ण हथियार बनाया है। टकराव की बजाय बातचीत, विरोधी खेमे में संभावित सहयोगियों की तलाश और बड़े मुद्दों पर सहमति का रास्ता बनाना उसकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बनता जा रहा है। शरद पवार से संवाद हो या द्रमुक की चिंताओं को साधने की कोशिश, सरकार हर मोर्चे पर ऐसा राजनीतिक रास्ता तलाश रही है जिससे विपक्षी एकजुटता कमजोर हो और बड़े फैसलों की राह आसान बने। परिसीमन पर यदि यह रणनीति सफल होती है तो मोदी सरकार आने वाले वर्षों के चुनावी समीकरणों पर भी अपनी मजबूत राजनीतिक छाप छोड़ सकती है।

कोलंबिया...

भूकंप के कारण कोलंबिया के कई हिस्सों में हवाई सेवाएं भी प्रभावित हुईं। विमानन अधिकारियों के मुताबिक, पेरेरा, मनिजालेस, क्विब्दो, आर्मेनिया, कार्टागो और बुएनावेंतुरा के हवाई अड्डों को नुकसान पहुंचा है।

यात्रियों और विमानों की सुरक्षा की जांच के दौरान इन हवाई अड्डों पर उड़ानें रोक दी गईं। आपदा जोखिम प्रबंधन की राष्ट्रीय इकाई स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर नुकसान का आकलन कर रही है।

राजधानी बोगोटा के मेयर कार्लोस गालान ने कहा कि शहर में बड़े नुकसान की अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है।

वेनेजुएला में भी महसूस किए गए भूकंप के झटके

भूकंप के झटके वेनेजुएला के सीमावर्ती इलाकों में भी महसूस किए गए। ताचिरा और बारकिसिमेतो में लोगों ने भूकंप के झटके महसूस होने की जानकारी दी। कोलंबिया दक्षिण अमेरिका के सबसे अधिक भूकंप प्रभावित देशों में शामिल है। यहां कई टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाएं और सक्रिय भ्रंश क्षेत्र मौजूद हैं। कोलंबियाई भूवैज्ञानिक सेवा के मुताबिक, देश में अब तक 100 से अधिक विनाशकारी भूकंप दर्ज किए जा चुके हैं।

ट्रस्ट करेगा...

साक्षात्कार के लिए चुना गया है। सूत्रों के मुताबिक, इन 18 उम्मीदवारों का अंतिम साक्षात्कार दो दिनों तक चलेगा। 11 और 12 अगस्त को होने वाले इस अंतिम चरण के बाद चयन समिति तीन उम्मीदवारों के नाम का एक पैनल तैयार करेगी।

समिति तीन नामों का पैनल ट्रस्ट को सौंपेगी

चयन समिति अपनी रिपोर्ट में तीन नामों का पैनल श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपेगी। इसके बाद ट्रस्ट की ओर से इन नामों पर विचार किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, राम मंदिर ट्रस्ट की आधिकारिक बैठक 2 सितंबर को होनी है। इसी बैठक में सीईओ पद के लिए चयन समिति द्वारा भेजे गए तीन नामों के पैनल पर विचार किया जाएगा और अंतिम व्यक्ति के नाम पर फैसला लिया जाएगा।

इसके बाद राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

छात्रों पर...

अधिकार है और बातचीत के जरिए ही समाधान निकाला जा सकता है।

राहुल गांधी ने झारखंड सरकार से छात्रों की बात सुनने और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की अपील की।

जेएसपीसी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते गिरफ्तार

इस बीच, झारखंड अपराध अनुसंधान विभाग ने झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग के कार्यालय में छापेमारी के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से अपराध अनुसंधान विभाग उनसे लगातार पूछताछ कर रहा था।

हेमंत सोरेन बोलेछात्रों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों के मुद्दे पर कहा कि सरकार ने उनकी चिंताओं को सुना है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनकी मांगों पर गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री ने छात्रों से अपील की कि वे शांतिपूर्ण आंदोलन को बाधित करने की राजनीतिक कोशिशों का शिकार न बनें।

हेमंत सोरेन ने छात्रों के मुद्दे को बातचीत और भरोसे के माध्यम से सुलझाने पर जोर देते हुए कहा कि छात्रों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

बाग़ी विधायकों...

ये विधायक पहले ममता बनर्जी से राजनीतिक संबंध खत्म करते हुए ऋतब्रत बनर्जी के गुट में शामिल हो गए थे।

दीदी जहां हैं, तौसीफ भी वहीं है

कालीघाट तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेताओं सोवनदेब चट्टोपाध्याय और कुणाल घोष के साथ आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन विधायकों की मौजूदगी ने ममता बनर्जी के खेमे में उनकी 'घर वापसी' की अटकलों को और हवा दे दी है।

बसीरहाट उत्तर के विधायक तौसीफ-उर-रहमान ने स्पष्ट रूप से कहा, दीदी जहां हैं, तौसीफ भी वहीं है। दीदी की तस्वीर के बिना मैं बसीरहाट से दस वोट भी नहीं पा सकता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की यही सच्चाई है। मेरी सुरक्षा हटा ली गई है। लेकिन मेरे लिए बसीरहाट का मतलब ममता है, तौसीफ का मतलब ममता बनर्जी है और तृणमूल कांग्रेस का मतलब ममता बनर्जी है।

'जोड़ा फूल' के निशान पर जीते हैं, ममता पर हमले का विरोध जरूरी

बारुईपुर पूर्व के विधायक बिभास सरदार ने पार्टी की एकता पर जोर देते हुए कहा, हम 'जोड़ा फूल' चुनाव चिह्न पर जीते हैं। हम ममता बनर्जी द्वारा दिए गए चिह्न के तहत जीते। दूसरे शब्दों में, जब उन पर हमला हुआ तो हमने विरोध किया। तृणमूल के सभी 80 विधायकों को ममता बनर्जी पर हुए हमले का विरोध करना चाहिए। सभी गुट एक हैं और हर गुट तृणमूल कांग्रेस का ही हिस्सा है।

मेतियाबुरुज के विधायक अब्दुल खालिक मोल्लाह ने इस मामले में बीच का रास्ता अपनाते हुए कहा, ममता बनर्जी पर हमला किया गया। मैंने इसके विरोध में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मैं यह नहीं बताना चाहता कि मैं किस गुट से जुड़ा हूं। फिलहाल मैं ऋतब्रत गुट के साथ हूं, फिर भी मैं ममता दीदी पर हुए हमले का विरोध कर रहा हूं।

ऋतब्रत बनर्जी ने कहाअब्दुल खालिक हमारे साथ

इस घटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने ज्यादा अहमियत नहीं दी। उन्होंने कहा, बिभास सरदार या तौसीफ रहमान की ओर से बोलना मेरी जिम्मेदारी नहीं है। मैं यह कह सकता हूं कि अब्दुल खालिक मोल्लाह हमारे साथ हैं। हमारी संख्या 65 है और मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि यह संख्या इससे कम नहीं होगी। अगर तृणमूल का 'कालीघाट गुट' इतना ही आश्वस्त है तो वे एक पत्र सौंपें और दावा करें कि उनकी संख्या ज्यादा है।

क्या बिखरने लगा है ऋतब्रत गुट?

पश्चिम बंगाल की राजनीति में यह समय बेहद अहम माना जा रहा है। मई के बाद से ऋतब्रत बनर्जी के गुट को तृणमूल कांग्रेस के भीतर एक समानांतर शक्ति केंद्र के रूप में देखा जा रहा था। अब ममता बनर्जी पर हमले के मुद्दे पर तीन विधायकों के सार्वजनिक रूप से कालीघाट खेमे का समर्थन करने के बाद राजनीतिक हलकों में सवाल उठने लगा है कि क्या ऋतब्रत गुट धीरे-धीरे बिखरने लगा है?कालीघाट खेमे के तृणमूल कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर हो रहा विरोध पार्टी के सभी विधायकों को एक मंच पर ला रहा है। फिलहाल पार्टी का कहना है कि सभी गुट एक हैं। लेकिन 90 दिनों से भी कम समय में विधायकों का प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए अलग-अलग मंच चुनना तृणमूल कांग्रेस के भीतर गुटबाजी की बहस को नया मुद्दा दे गया है।

होर्मुज पर...

हाल की बैठकों में ट्रंप ने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान पर अमेरिकी हमले का डर एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेगा।

अमेरिकी अधिकारियों ने संकेत दिया कि यदि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने में सफल रहता है तो ट्रंप मौजूदा युद्धविराम को अनिश्चित काल तक बढ़ा सकते हैं।

होर्मुज खुला तो नाकेबंदी हटने की उम्मीद

अधिकारियों के मुताबिक, अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल देता है तो राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी सैन्य नाकेबंदी हटाए जाने की भी उम्मीद है।

अमेरिकी राष्ट्रपति पहले घोषणा कर चुके हैं कि उभरते शांति समझौते को देखते हुए उन्होंने ईरान पर प्रस्तावित हमले रद्द कर दिए हैं। इस समझौते की रूपरेखा में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौता शामिल बताया गया है।ईरानी विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के मार्ग की भौगोलिक जानकारी को लेकर सहमत हो गए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की 'सावन की सैर' सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की ओर से इस वर्ष 'सावन की सैर' कार्यक्रम के अंतर्गत वारंगल भ्रमण का आयोजन किया गया। 8 अगस्त, शनिवार की सुबह 45 सीट वाली वोल्वो बस से भ्रमण दल ने दोमलगुड़ा स्थित भारत स्काउट एंड गाइड परिसर के बाहर से अपनी यात्रा प्रारंभ की। दो दिवसीय इस भ्रमण कार्यक्रम में समाज के सदस्यों एवं उनके परिजनों ने विभिन्न धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर भरपूर आनंद उठाया।

भ्रमण के दौरान श्री कुलपाकजी जैन मंदिर, वारंगल स्थित भद्रकाली मंदिर, हजार स्तंभ मंदिर, विश्व प्रसिद्ध रामप्पा मंदिर, लखनावरम झील तथा वारंगल किले का भ्रमण किया गया। सभी स्थलों पर सदस्यों ने धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी प्राप्त करने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का भी आनंद लिया। वारंगल भ्रमण के दौरान स्थानीय अग्रबंधुओं बनवारी लाल गोयल, दौलत राम अग्रवाल, ललित अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, मुकेश नरसिंहपुरिया, अशोक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल एवं अभिषेक अग्रवाल सहित अन्य समाजबंधुओं ने दोमलगुड़ा शाखा के सदस्यों के सम्मान में आत्मीय आतिथ्य प्रदान किया।

वारंगल के अग्रबंधुओं ने दोमलगुड़ा शाखा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, सहमंत्री विजय कुंछल एवं कोषाध्यक्ष रोशन लाल मित्तल का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।

डॉ. दिलीप पंसारी ने वारंगल के अग्रबंधुओं द्वारा शाखा को दिए गए आत्मीय आतिथ्य एवं सम्मान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने वारंगल के अग्रबंधुओं को अग्रवाल समाज तेलंगाना के सदस्यता अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए वारंगल में रहने वाले हर आयु वर्ग और समाज के प्रत्येक अग्रवाल परिवार को समाज की सदस्यता दिलाने की दिशा में प्रयास करने का आग्रह किया।

इस पर वारंगल के अग्रबंधुओं ने कम से कम 200 नए सदस्यों को समाज से जोड़ने का आश्वासन दिया।

मंचीय कार्यक्रम के दौरान भ्रमण कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाने वाले संयोजक सुरेश धानुका एवं दिनेश पंसारी के साथ महिला सदस्यों हर्षिता बंसल, शालिनी केड़िया, दीपम अग्रवाल एवं रेखा अग्रवाल को उनके विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार भ्रमण में शामिल सदस्यों में से तीन भाग्यशाली विजेताओं का चयन किया गया। प्रमिला अग्रवाल, केवल अग्रवाल एवं रोशन लाल मित्तल को क्रमशः 2,000 रुपये, 1,500 रुपये और 1,000 रुपये की नकद राशि से पुरस्कृत किया गया।

सैर में शामिल सभी बच्चों को भी पुरस्कार एवं उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुमन सराफ, ज्योति धानूका, चांदनी अग्रवाल सहित अन्य समाजबंधुओं का विशेष सहयोग रहा।

निस्वार्थ सेवा ही मानवता की सच्ची पहचान : जयप्रकाश सारड़ा

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित जिला पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नियमित रूप से चल रही इस सेवा के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानवता और सामाजिक संवेदना का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश सारड़ा ने कहा कि सेवा करना अपने आप में पुण्य का कार्य है, लेकिन निस्वार्थ भाव से, बिना किसी अपेक्षा के और निरंतर सेवा करते रहना वास्तव में राधे-राधे ग्रुप की विशेष पहचान है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के सदस्य जिस समर्पण और सेवाभाव के साथ नियमित रूप से अन्नदान कर रहे हैं, वह समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल अन्न देना नहीं, बल्कि उसके जीवन में आशा, सम्मान और अपनत्व का भाव जगाना है। आज समाज को ऐसी ही सेवा भावना की आवश्यकता है, जहां व्यक्ति अपने सुख के साथ दूसरों की जरूरतों और पीड़ा को भी समझे। राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्य समाज में मानवता, करुणा और परोपकार की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

जयप्रकाश सारड़ा ने कहा कि यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता का संकल्प ले, तो अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया।

भारतीय व्यापार महोत्सव में दिखेगी व्यापार, नारी शक्ति, दिव्यांग प्रतिभा और युवा नवाचार की ताकत

कल से 15 अगस्त तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में होगा राष्ट्रीय आयोजन, तेलंगाना के व्यापारियों और उद्यमियों से बड़ी संख्या में भाग लेने का आह्वान

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
देश के व्यापारिक एवं उद्यमिता जगत का बहुप्रतीक्षित 'भारतीय व्यापार महोत्सव' 12 से 15 अगस्त 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) एवं भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के तत्वावधान में, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं परामर्शदाता स्मृति ईरानी के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।महोत्सव का नेतृत्व चांदनी चौक के सांसद एवं सीएआईटी के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल, सीएआईटी अध्यक्ष बी.सी. भरतिया तथा सीएआईटी चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

इस अवसर पर सीएआईटी तेलंगाना के संयोजक अविनाश देवड़ा ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की विशाल व्यापारिक शक्ति, उद्यमिता और नवाचार को एक मंच पर प्रस्तुत करने वाला राष्ट्रीय आयोजन है।उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों व्यापारी अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ हैं। आज पारंपरिक व्यापार के साथ महिला उद्यमी, दिव्यांग उद्यमी और नई पीढ़ी के नवोदित उद्यमी भी भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय व्यापार महोत्सव इन सभी को राष्ट्रीय बाजार और व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। महोत्सव में दिव्यांग उद्यमियों एवं व्यापारियों को विशेष स्थान दिया गया है। उन्हें अपने उत्पादों, सेवाओं और उद्यमशीलता की क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

श्री अविनाश देवड़ा ने कहा कि यह पहल समाज को यह संदेश देती है कि प्रतिभा और आत्मविश्वास किसी भी चुनौती से बड़े होते हैं। दिव्यांग उद्यमियों को व्यापारिक मंच उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

श्री अविनाश देवड़ा ने कहा, आज की नारी केवल व्यापार में भागीदारी नहीं कर रही, बल्कि व्यापार का नेतृत्व कर रही है, रोजगार के अवसर पैदा कर रही है और देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। 'नारी वंदन' महिला शक्ति के इस योगदान को सम्मानित करने की सार्थक पहल है।

भारतीय व्यापार महोत्सव में 'नवाचार' के अंतर्गत जेन-ज़ी उद्यमियों एवं स्टार्टअप्स को विशेष मंच प्रदान किया गया है।

सीएआईटी तेलंगाना के आईटी एवं सोशल मीडिया प्रमुख विजय तपाड़िया ने कहा कि युवा उद्यमी आज ए-आई, डिजिटल कॉमर्स, फिन टेक, ई-कॉमर्स, प्रौद्योगिकी और टिकाऊ विकास जैसे क्षेत्रों में नए विचारों के साथ भारत की नई अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, जेन-ज़ी केवल भविष्य की उद्यमिता नहीं, बल्कि वर्तमान भारत की नई व्यापारिक शक्ति है। भारतीय व्यापार महोत्सव उनके नवाचारी विचारों को बाजार, निवेशकों और स्थापित व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ने का अवसर देगा।

सीएआईटी तेलंगाना के अध्यक्ष विमल कुमार नाहर ने तेलंगाना के व्यापारियों, उद्यमियों, महिला उद्यमियों, नवोदित उद्यमों और दिव्यांग उद्यमियों से बड़ी संख्या में भारतीय व्यापार महोत्सव में भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की व्यापारिक एवं उद्यमिता क्षमता को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने के लिए यह महोत्सव एक महत्वपूर्ण अवसर है। इससे व्यापारियों को नए बाजार, नए ग्राहक, व्यापारिक साझेदार और नए अवसर प्राप्त होंगे।

सीएआईटी तेलंगाना के संयोजक अविनाश देवड़ा ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव भारत के 'स्थानीय के लिए मुखर', 'भारत में बनाओ' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को व्यापारिक शक्ति के माध्यम से और मजबूत करने का प्रयास है।

उन्होंने देशभर के व्यापारियों से आह्वान किया कि वे इस महोत्सव का हिस्सा बनें और भारतीय व्यापार, प्रतिभा, नारी शक्ति, दिव्यांग उद्यमिता तथा युवा नवाचार को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करें।

डॉ. शिखा भटनागर की छठी पुस्तक 'मिथिकल नैरेटिव्स ऑफ ज्योतिर्लिंग्स एंड अष्टदश महाशक्तिपीठ' का विमोचन

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बशीरबाग स्थित प्रेस क्लब में भारतीय अंग्रेजी लेखिका डॉ. शिखा भटनागर की छठी पुस्तक 'मिथिकल नैरेटिव्स ऑफ ज्योतिर्लिंग्स एंड अष्टदश महाशक्तिपीठ' के विमोचन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिंगरेनी कंपनी के अधिकारी सुधाकर, शहर के प्रसिद्ध त्वचा चिकित्सक मुकेशराज श्रीवास्तव, शिक्षा जगत के प्रसिद्ध प्रोफेसर चेतन श्रीवास्तव तथा प्रसिद्ध समाजसेवी एवं रक्तदाता योगेशराज श्रीवास्तव मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. शिखा भटनागर द्वारा स्वरचित कविता की प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद अतिथियों ने पुस्तक का विमोचन किया। डॉ. शिखा भटनागर ने बताया कि उनकी लेखनी का उद्देश्य डिजिटल स्क्रीन पर लगातार समय बिताने वाली युवा पीढ़ी को पुस्तक पठन एवं लेखन की ओर आकर्षित करने के साथ-साथ उन्हें भारतीय एवं सनातन संस्कृति से परिचित कराना है।

नोशन प्रेस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में लेखिका ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथाओं और उनकी उत्पत्ति पर प्रकाश डाला है। इसके साथ ही आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा रचित अष्टादश स्तोत्र पर आधारित 18 महाशक्तिपीठों की जानकारी भी सचित्र प्रस्तुत की गई है।पुस्तक में धार्मिक एवं पौराणिक प्रसंगों को सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है, जिससे पाठकों विशेषकर युवा वर्ग को भारतीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को समझने में सहायता मिल सके। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों ने डॉ. शिखा भटनागर की नई कृति पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने पुस्तक के विषय, लेखिका के प्रयास तथा भारतीय संस्कृति को साहित्य के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर स्वाति श्रीवास्तव ने लेखिका का परिचय प्रस्तुत किया और उनके साहित्यिक कार्यों एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम में शहर के जाने-माने पत्रकार अतुल श्रीवास्तव ने उपस्थित जनसमूह के समक्ष शिव एवं शिवतत्व के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शिवतत्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों को इसके विभिन्न आयामों से परिचित कराया।

समारोह में साहित्य, शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा एवं पत्रकारिता से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिवपुराण कथा में धर्म, सत्संग और सेवा का संदेश गूंजा

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोइनपल्ली के बापूजी नगर में गेहलोत, सोलंकी और पंवार परिवार के संयुक्त तत्वावधान में चातुर्मास के अवसर पर शिवपुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा पूज्य गुरुदेव महंत भवरगिरीजी महाराज के सानिध्य में स्वामी हीरपुरी महाराज द्वारा धर्म, सत्संग और सेवा के महत्व पर प्रवचन दिए जा रहे हैं।

स्वामी हीरपुरी महाराज ने रामचरितमानस के प्रसंग के माध्यम से रावण के अत्याचारों और धर्म की रक्षा के लिए भगवान के अवतार की कहानी सुनाई। महंत भवरगिरीजी महाराज ने सत्संग का महत्व बताते हुए सेवा को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया और कहा कि ''सेवा परमो धर्मः'' की भावना से जीव-प्राणियों की सेवा करनी चाहिए। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म और सत्य के मार्ग पर प्रेरित किया जा रहा है।

अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा की 'सावन की सैर' में उमड़ा उल्लास

75 से अधिक सदस्यों ने परिवार सहित लिया हिस्सा; खेल, संगीत, नृत्य, रेन डांस और वाटर गेम्स ने बांधा समां

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा एवं अग्रवंशी महिला शाखा की ओर से रविवार को शमीरपेट स्थित कृष्णा'स सेरीन रिसॉर्ट में भव्य एवं शानदार 'सावन की सैर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाखा के 75 से अधिक सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पूरे दिन चले इस आयोजन में मनोरंजन, खेल, संगीत, नृत्य और पारिवारिक मेल-मिलाप का शानदार संगम देखने को मिला। कार्यक्रम ने बच्चों से लेकर वरिष्ठ सदस्यों तक सभी आयु वर्ग के लोगों को भरपूर मनोरंजन प्रदान किया और सभी के लिए यह दिन यादगार बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं के लिए आयोजित रंगोली प्रतियोगिता से हुई। इसमें प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। इसके बाद बॉक्स क्रिकेट सहित विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रसिद्ध एंकर एवं संचालिका प्रियंका ने अपने शानदार संचालन से पूरे कार्यक्रम में ऊर्जा और उत्साह बनाए रखा। उनके द्वारा आयोजित मस्ती भरे खेल, नृत्य, एक मिनट के खेल एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों ने सभी को खूब हंसाया और झूमने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण बंपर तंबोला रहा। इसमें विशेष दौर आयोजित किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार मिलने पर विजेताओं के चेहरे पर खुशी देखने को मिली।

इसके बाद सभी सदस्यों ने रिसॉर्ट में उपलब्ध विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया।

तैराकी, वर्षा नृत्य, जल खेल एवं जल थीम पार्क में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने जमकर मस्ती की और पूरे उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

सदस्यों के लिए स्वादिष्ट एवं शानदार नाश्ता, दोपहर का भोजन और शाम की चाय की व्यवस्था की गई थी। सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। बेहतरीन भोजन और आतिथ्य ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।

इस अवसर पर अग्रवंशी समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वालों में श्री सुरेश टंडन, मुख्य जोनल समन्वयक; श्री सुरेश अग्रवाल (दिल्ली वाले) अपनी धर्मपत्नी के साथ; श्री गोपाल मोर; श्री महेंद्र अग्रवाल, पूर्वी जोन समन्वयक; श्री अशोक जिंदल तथा श्री जितेंद्र अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के अंत में उत्तर जोन समन्वयक एवं शाखा की केंद्रीय समिति के सदस्य सुनील कुमार चोखानी ने सभी सदस्यों, अतिथियों, आयोजकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सदस्यों एवं उनके परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने 'सावन की सैर' को भव्य, सफल और यादगार आयोजन बना दिया।

उन्होंने विशेष रूप से सभी सदस्यों के सहयोग, अनुशासन और सकारात्मक भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज के सदस्यों एवं परिवारों के बीच आपसी प्रेम, एकता, सौहार्द और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम का समापन हंसी-खुशी, खूबसूरत यादों और भविष्य में भी ऐसे ही अनेक पारिवारिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने के संकल्प के साथ हुआ।

घटम जुलूस शांतिपूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने सोमवार को पुराने शहर के ऐतिहासिक अक्कन्ना मदन्ना महांकाली मंदिर से पवित्र घटम जुलूस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।जुलूस का शुभारंभ करने से पहले सज्जनार ने देवी महांकाली के आशीर्वाद के लिए विशेष प्रार्थनाएं कीं। उन्होंने स्मरण किया कि कैसे देवी की कृपा ने प्लेग और बाढ़ के दौरान क्षेत्र की रक्षा की थी तथा हैदराबाद के लिए निरंतर स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि जुलूस को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सरकारी विभागों के समन्वय से सुरक्षा और यातायात की विस्तृत व्यवस्थाएं की गईं।

उन्होंने मंदिर के न्यासियों, आयोजकों, नगर अधिकारियों और भक्तों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया तथा पूरे त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मियों की सराहना की।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एम. श्रीनिवास, तफसीर इकबाल, वैभव गायकवाड़, खरे किरण प्रभाकर और आर. वेंकटेश्वरलू, मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर, महासचिव दत्तात्रेय, सलाहकार राजारत्नम, मंदिर समिति आयोजन सचिव एस.पी. क्रांति कुमार तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।इसके साथ ही पुराने शहर का घटम जुलूस शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ

कारवान बोनालू के रंगम कार्यक्रम में श्री दरबार मैसम्मा माता की भविष्यवाणी

भक्तों की पूजा से प्रसन्न होकर माता ने सुख, शांति, समृद्धि एवं निरोगी जीवन का आशीर्वाद दिया

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू महोत्सव के अंतर्गत आयोजित रंगम कार्यक्रम में सुशीलाम्मा के शरीर पर उपस्थित होकर श्री दरबार मैसम्मा माता ने भक्तों के लिए भविष्यवाणी की। माता की भविष्यवाणी सुनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। माता ने भक्तों द्वारा की गयी पूजा-अर्चना और प्रार्थनाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी भक्तों को सुख, शांति, समृद्धि एवं निरोगी जीवन का आशीर्वाद दिया। माता ने कहा कि वे अपने सभी भक्तों की रक्षा करेंगी और उनके साथ सदैव रहेंगी। उन्होंने कहा कि बोनालू उत्सव के दौरान भक्तों द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ की गयी पूजा से वह अत्यंत प्रसन्न हैं।

माता ने इस वर्ष तेलंगाना में पर्याप्त वर्षा होने तथा फसलों की अच्छी पैदावार होने की भी भविष्यवाणी की। उन्होंने भक्तों से श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजा-अर्चना करने का आह्वान करते हुए कहा कि भक्तों द्वारा की जाने वाली पूजा उन्हें प्राप्त होगी। प्रत्येक घर की रक्षा करना उनकी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं सहित विभिन्न कठिन परिस्थितियों से भी अपने भक्तों की रक्षा करने का आश्वासन दिया।

रंगम कार्यक्रम के दौरान भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मंदिर समिति एवं पुलिस विभाग की ओर से व्यापक व्यवस्थाएँ की गयी थीं।

इस अवसर पर पोतराज महाँकाली मंदिर से निकलकर नाचते-गाते और झूमते हुए नल्ला पोच्चम्मा (काली माता मंदिर, राम सिंह पुरा) तक पहुँचे, जहाँ गाऊ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके पश्चात रंगम कार्यक्रम तथा बलीगंपा यात्रा का आयोजन किया गया।

कारवान क्षेत्र के छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर मनमोहक, अद्भुत एवं आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। संगीता डांस अकादमी, गुड़ी मलकापुर, कारवान सहित विभिन्न संस्थाओं के कलाकारों ने भी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

अग्रवाल समाज ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा की 'सावन की सैर' धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज ज्ञानबाग कॉलोनी महिला एवं पुरुष शाखा की ओर से आयोजित 'सावन की सैर' कार्यक्रम शामीरपेट स्थित डिस्ट्रिक्ट ग्रेविटी में धूमधाम एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

इसके बाद विभिन्न मनोरंजक खेलों, तैराकी, आउटडोर एवं इनडोर खेलों सहित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। शाखा के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। पूरे आयोजन के दौरान सदस्यों में उत्साह एवं पारिवारिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।

सभी सदस्यों के लिए ज्ञानबाग कॉलोनी से कार्यक्रम स्थल तक बस की व्यवस्था की गई थी। यात्रा के दौरान नाश्ते तथा कार्यक्रम स्थल पर भोजन एवं शाम की चाय की व्यवस्था की गई। एकादशी के अवसर को ध्यान में रखते हुए व्रत रखने वाले सदस्यों के लिए विशेष रूप से फलाहार की अलग व्यवस्था की गई।

कार्यक्रम के दौरान तंबोला का भी आयोजन किया गया। शाखा के अध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने तंबोला प्रतियोगिता के विजेता को विशेष उपहार प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में सभी जोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन, पूर्वी जोन के जिला समन्वयक महेंद्र अग्रवाल एवं अशोक जिंदल उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, केंद्रीय मंत्री अनिल अग्रवाल एवं अशोक गोयल, उपाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, मंत्री जितेंद्र अग्रवाल, विशेष सहायक शिव शंकर अग्रवाल तथा महिला शाखा से केंद्रीय मंत्री प्रीति गोयल, मंत्री कीर्ति अग्रवाल सहित दोनों शाखाओं के अनेक सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताते हुए खेलकूद एवं मनोरंजन गतिविधियों का आनंद लिया। आयोजन ने समाज के सदस्यों के बीच आपसी मेल-मिलाप, पारिवारिक सौहार्द और एकता को और मजबूत किया।

नशे में तेज रफ्तार कार का कहर, एक की मौत

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजेंद्र नगर में स्थित हैदरशाकोट इलाके में देर रात तेज रफ्तार कार ने जमकर कहर बरपाया। हादसे में एक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में करीब पांच युवक सवार थे और उनके कथित तौर पर शराब के नशे में होने की बात सामने आई है।

यह हादसा रविवार रात एसएमपी स्कूल के पास हुआ, जब पूर्व सैनिक सड़क किनारे टहल रहे थे, तभी तेज रफ्तार एसयूवी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद एसयूवी ने बाइक-टैक्सी पर जा रहे दो अन्य लोगों को भी टक्कर मार दी। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे के बाद कार सवार युवक वाहन को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर नार्सिंगी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई की। पुलिस अब कार में सवार युवकों की पहचान करने के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय वाहन कौन चला रहा था। साथ ही चालक ने शराब का सेवन किया था या नहीं, वाहन की गति कितनी थी और कार गलत दिशा में क्यों जा रही थी, इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाए जाने की संभावना है। शराब के नशे में वाहन चलाने समेत अन्य आरोपों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के गंभीर परिणामों को सामने ला दिया है।

हॉस्टल में रैगिंग का खौफनाक चेहरा !

10वीं के छात्र को 12 छात्रों ने बेरहमी से पीटने का आरोप

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री चैतन्य स्कूल के हॉस्टल में रैगिंग की आड़ में एक दसवीं कक्षा के छात्र के साथ कथित तौर पर हुई बर्बर मारपीट ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना 8 अगस्त की है, दम्माईगुड़ा स्थित श्री चैतन्य हाई स्कूल के हॉस्टल में कामारेड्डी निवासी छात्र अभिषेक के साथ करीब 12 छात्रों द्वारा बेरहमी से मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना के बाद छात्र की हालत गंभीर बताई जा रही है और अस्पताल में उसका उपचार जारी है।

परिजनों के अनुसार, रात के समय हॉस्टल में अभिषेक को सीनियर छात्रों ने कथित तौर पर रैगिंग के नाम पर घेर लिया। इसके बाद उसके साथ बुरी तरह मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावर छात्रों ने डंडों और प्लेटों से अभिषेक को पीटा तथा उसके चेहरे पर जूतों से कुचला। इस हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

मामले को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि घटना के बाद स्कूल प्रबंधन ने अभिषेक के परिजनों को कथित तौर पर फोन कर बताया कि उनका बेटा सीढ़ियों से गिर गया है और गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना मिलते ही परिजन स्कूल पहुंचे और अभिषेक को अपने साथ ले गए।

लेकिन घर पहुंचने के बाद जब अभिषेक से घटना के बारे में पूछा गया तो उसने कथित तौर पर पूरी कहानी बताई। छात्र के अनुसार, उसके साथ सीनियर छात्रों ने रैगिंग के नाम पर मारपीट की थी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत करते हुए मामले की गंभीरता से जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर घटना की वास्तविकता छिपाने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका सवाल है कि यदि छात्र सीढ़ियों से गिरा था, तो उसके शरीर पर आई चोटों और घटना की परिस्थितियों की पूरी जानकारी परिजनों को क्यों नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को दबाने के लिए घटना को अलग रूप में पेश करने का प्रयास किया गया।

परिजनों ने रैगिंग के नाम पर उनके बेटे के साथ मारपीट करने वाले सभी छात्रों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही स्कूल प्रबंधन और हॉस्टल की निगरानी व्यवस्था की भी जांच की मांग की गई है।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, हॉस्टल में मौजूद छात्रों और कर्मचारियों से पूछताछ तथा अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि स्कूल और हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है ? यदि हॉस्टल में एक छात्र के साथ इतनी गंभीर मारपीट हुई, तो निगरानी व्यवस्था कहां थी ? और घटना के बाद परिजनों को कथित तौर पर अलग जानकारी क्यों दी गई ? इन सवालों के जवाब जांच के बाद सामने आएंगे।फिलहाल अभिषेक अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है। इस घटना ने रैगिंग के खिलाफ स्कूलों में लागू सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की जवाबदेही पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धूमधाम से मनाया गया 19वां राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस

-'विश्वास, सत्य और पारदर्शिता' को जनसंपर्क शिक्षा का मूल बताया, 18 शिक्षण संस्थानों के 22 मेधावी छात्रों का सम्मान

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीवीएन पीआर फाउंडेशन और पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 19वां राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस रेड हिल्स स्थित एफटीसीआई के सुराना ऑडिटोरियम में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया।

यह आयोजन जनसंपर्क के अग्रदूत डॉ. सी. वी. नरसिंह रेड्डी की 93वीं जयंती के अवसर पर 'विश्वास, सत्य और पारदर्शिताजनसंपर्क शिक्षा का मूल' विषय पर आधारित था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना सरकार के श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाने तथा खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ. गड्डम विवेक वेंकटस्वामी थे। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. श्रीराम बिरुदावोलु ने संबोधित किया। इस अवसर पर पब्लिक रिलेशंस वॉइस के संपादक वाई. बाबजी तथा सीवीएन पीआर फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती सी. रामा देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मेजबानी पीआरए-सआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. कंबमपति यादगिरि तथा सीवीएन पीआर फाउंडेशन के सचिव सी. रवींद्र रेड्डी ने की। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक पी. मोहन राव ने किया।

अपने संबोधन में सी. रवींद्र रेड्डी ने डॉ. सी. वी. नरसिंह रेड्डी के निरंतर सीखने और कौशल विकास पर दिए गए जोर को याद किया। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ जनसंपर्क के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए निरंतर ज्ञान अर्जित करना और अपने कौशल को विकसित करना आवश्यक है।

डॉ. कंबमपति यादगिरि ने कहा कि हैदराबाद चैप्टर को हर वर्ष राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस मनाने पर गर्व है। उन्होंने जनसंपर्क शिक्षा को मजबूत बनाने तथा विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सीवीएन पीआर फाउंडेशन की अध्यक्षा सी. रामा देवी ने अपने पिता डॉ. सी. वी. नरसिंह रेड्डी को एक दूरदर्शी शिक्षक बताते हुए कहा कि उन्होंने जनसंपर्क क्षेत्र के पेशेवरों को नैतिक एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाने पर विशेष जोर दिया।

वाई. बाबजी ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विश्वविद्यालयों को जनसंपर्क के अधिक पाठ्यक्रम शुरू करने चाहिए, ताकि इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध हो सकें।

पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने संस्था की युवा केंद्रित पहलों की जानकारी दी। उन्होंने 'नालंदा पीआरएसआई स्टूडेंट फोरम' तथा 'जनसंपर्क : बोर्डरूम से कक्षाओं तक' जैसी पहलों के बारे में बताया और विद्यार्थियों को जनसंपर्क के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य वक्ता डॉ. श्रीराम बिरुदावोलु ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल युग में डीपफेक तथा फर्जी खबरों से निपटने में जनसंपर्क पेशेवरों की भूमिका बेहद महत्व-पूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि सूचना के तेजी से प्रसार के दौर में सत्यापित और विश्वसनीय जानकारी जनता तक पहुंचाना जनसंपर्क क्षेत्र की बड़ी जिम्मेदारी है।

मुख्य अतिथि डॉ. गड्डम विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सत्य, विश्वास और पारदर्शिता के साथ जनसंपर्क पेशेवर सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से जनता तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने जनसंपर्क के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों और विश्वसनीय संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए। सार्वजनिक संबंध विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 18 शैक्षणिक संस्थानों के 22 छात्रों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और जनसंपर्क पेशेवरों के बीच ज्ञान, नैतिकता, सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शी संवाद के महत्व को बढ़ावा देना है।

अन्नदान सेवा मानवता की सबसे बड़ी सेवा : राजेश

हैदराबाद, 10 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजेश ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी सेवा अन्नदान की सेवा है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की भूख मिटाना केवल भोजन देना नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को निभाना है।

राजेश ने कहा कि अन्नदान की परंपरा भारतीय संस्कृति और संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। जब कोई व्यक्ति निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराता है, तो उसके माध्यम से समाज में सेवा, करुणा और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने का कार्य अत्यंत महत्व-पूर्ण है और राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों में किसी प्रकार के भेदभाव की भावना नहीं होनी चाहिए। सेवा का उद्देश्य केवल जरूरतमंद की सहायता करना होना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप द्वारा विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान के माध्यम से लोगों की सेवा की जा रही है, जिससे समाज में परोपकार और मानवता का सकारात्मक संदेश पहुंच रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा कार्यों की निरंतरता ही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों को भी सेवा कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा मिल रही है। सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, राजेश सर योगा, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने और समाज में मानवता एवं परोपकार की भावना को मजबूत करने का आह्वान है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.